▪ आश्विन कृष्णा - 3 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 48 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 10-09-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भारत अपनी मेहनत के बल पर समृद्ध बना है : आदित्यनाथ

6 नेपाल में क्या भारत के समर्थन वाली सरकार आ रही है?

7 पाकिस्तानी सेना प्रमुख की अदूरदर्शिता क्षेत्र में शांति खत्म कर रही : इमरान खान

फर्स्ट टेक

राजस्थान विधानसभा ने धर्मांतरण विरोधी विधेयक को पारित किया

जयपुर/भाषा। राजस्थान विधानसभा ने धर्मांतरण विरोधी (राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025) मंगलवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक के माध्यम से धोखे, छल कपट, प्रलोभन आदि से धर्मांतरण को निषेध किया गया है। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि यह विधेयक राज्य में समरसता को बनाए रखने और सुरक्षित भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति हमेशा से उदार रही है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है, लेकिन इसमें धोखे, प्रलोभन, भय और छल कपट से धर्म परिवर्तन करवाने का कहीं भी समर्थन नहीं किया गया है। मंत्री विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे थे।

पूर्वी कांगो में विद्रोहियों के हमले में कम से कम 60 लोग मारे गए

गोमा, नौ सितंबर (एपी) पूर्वी कांगो में इस्लामिक स्टेट से संबद्ध विद्रोही समूह ने रात में हमला कर कम से कम 60 लोगों की हत्या कर दी। यहां एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्तरी किवु के एनटोयो में कब्रिस्तान पर शव को दफनाने के दौरान कुछ लोग एकत्र हुए थे और तब ही एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्स (एडीएफ) ने कथित तौर पर हमला कर दिया गया। एनटोयो यहां लुबेरो क्षेत्र में स्थित है और यहां के स्थानीय प्रशासक कर्नल एलेन किवेवा ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा, एडीएफ के हमले में लगभग 60 लोगों की मौत हुई है, लेकिन अंतिम संख्या आज शाम को बताई जाएगी, क्योंकि क्षेत्र ने उन लोगों की गिनती शुरू करने के लिए कर्मियों की तैनाती की है, जिनका सिर कलम कर दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में वांछित आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर/भाषा। श्रीनगर में दो साल से अधिक समय से फरार एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया है, जो 'नार्को-टेरर मॉड्यूल' से जुड़ा था। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य अन्वेषण एजेंसी (एसआईए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एसआईए के एक प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा का निवासी, गिरफ्तार आरोपी अब्दुल रशीद भट 2022 के इस मामले में दो साल से अधिक समय से गिरफ्तारी से बच रहा था और उसे भगोड़ा घोषित किया गया था। उन्होंने बताया कि भट इस मामले में गिरफ्तार होने वाला तीसरा आरोपी है। प्रवक्ता ने बताया कि भट की गिरफ्तारी लश्कर-ए-तैयबा द्वारा संचालित और पाकिस्तान स्थित आकाओं द्वारा समर्थित 'नार्को-टेरर मॉड्यूल' के लिए एक बड़ा झटका है।

सूर्यास्त 10-09-2025 6:24 बजे | सूर्योदय 11-09-2025 6:08 बजे

BSE	NSE
81,101.32	24,868.60
(+314.02)	(+95.45)

सोना	चांदी
11,081 रु.	127,055 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

सी.पी. राधाकृष्णन देश के 15वें उप राष्ट्रपति निर्वाचित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। किशोरावस्था में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 'स्वयंसेवक' बनने और जनसंघ से राजनीतिक पारी की शुरुआत करने वाले तथा तमिलनाडु में लंबे समय तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक धुरी रहे चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन मंगलवार को देश के 15वें उप राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार राधाकृष्णन ने विपक्ष के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। उनकी जीत के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ तथा कई अन्य प्रमुख नेताओं ने उन्हें बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि राधाकृष्णन एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे। दूसरी तरफ, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने कहा कि आंकड़ों में भले ही राधाकृष्णन की जीत हुई, लेकिन असल में भाजपा की नैतिक और राजनीतिक हार हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने उम्मीद जताई कि राधाकृष्णन संसदीय परंपराओं के सर्वोच्च मूल्यों को बनाए रखेंगे, विपक्ष के लिए समान स्थान और सम्मान सुनिश्चित करेंगे तथा सत्तारूढ़ दल के दबाव के सामने नहीं झुकेंगे।

विपक्ष के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने अपनी हार स्वीकार की और कहा कि वह वैचारिक संघर्ष जारी रखेंगे।

उप राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान सुबह 10 बजे आरंभ हुआ था, जो शाम पांच बजे समाप्त हुआ। मतदान खत्म होने के करीब ढाई घंटे के बाद चुनाव परिणाम घोषित किए गए।

राज्यसभा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी पी सी मोदी ने नतीजों की घोषणा की और कहा कि कुल 98.2 प्रतिशत मतदान हुआ।

राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 तथा विपक्ष के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट हासिल हुए।

उन्होंने बताया कि इस मतदान में निर्वाचक मंडल के कुल 781 सदस्यों में से 767 (एक डाक मतपत्र समेत) ने मतदान किया था, जिसमें 15 वोट अवैध करार दिए गए। पी सी मोदी ने कहा, ''मैं सी.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित घोषित करता हूं। परिणाम के बारे में निर्वाचन आयोग को सूचित किया जाएगा।''

भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने दावा किया कि ''लगभग 40 विपक्षी सांसदों'' ने अपनी अंतरात्मा की आवाज़ सुनी और ''किसी न किसी रूप में'' राजग उम्मीदवार के समर्थन में मतदान किया। 40 विपक्षी सांसदों के समर्थन के उनके दावे में अवैध करार दिए गए कई मतों की बात भी शामिल है।

कुछ विपक्षी नेताओं ने चुनावों में रेड्डी का समर्थन करने के लिए सांसदों की अंतरात्मा की आवाज़ सुनने का आह्वान किया था और वरिष्ठ भाजपा नेता जायसवाल की टिप्पणियों को उनके जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

राजग नेताओं का कहना है कि महाराष्ट्र के कुछ विपक्षी सांसदों ने राधाकृष्णन के समर्थन में मतदान किया।

राजग उम्मीदवार की जीत पर प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर कहा कि राधाकृष्णन का जीवन हमेशा समाज

▪ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार राधाकृष्णन ने विपक्ष के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के भारी अंतर से पराजित किया।

▪ मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने कहा कि आंकड़ों में भले ही राधाकृष्णन की जीत हुई, लेकिन असल में भाजपा की नैतिक और राजनीतिक हार हुई है।

विश्वास है कि राधाकृष्णन एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन को जीत हासिल करने पर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे। राधाकृष्णन ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव में 452 वोट हासिल करके जीत हासिल की, जबकि विपक्षी उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। निर्वाचन अधिकारी पी सी मोदी ने यह जानकारी दी। मोदी ने 'एक्स' पर कहा कि राधाकृष्णन का जीवन हमेशा समाज सेवा और गरीबों व कमजोर वर्ग के लोगों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, थिरु सी पी राधाकृष्णन जी को 2025 का उपराष्ट्रपति चुनाव जीतने पर बधाई। उनका जीवन हमेशा समाज सेवा और गरीबों व कमजोर वर्ग के लोगों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित रहा है। मुझे विश्वास है कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे और हमारे संवैधानिक मूल्यों को मजबूत बनाने के साथ साथ संसदीय संवाद को आगे बढ़ाएंगे।

जमीन पर मजबूती ही जीत की कुंजी रहेगी : सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को किसी भी युद्धक्षेत्र में थल सेना की प्रधानता पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत के संदर्भ में जमीन पर मजबूत पकड़ जीत की कुंजी रहेगी। यहां एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में उन्होंने किसी भी युद्ध में थल सेना के महत्व पर ज़ोर दिया और पिछले महीने अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच यूक्रेन संघर्ष पर हुई शिखर वार्ता का ज़िक्र किया।

द्विवेदी ने कहा, जब आप दोनों राष्ट्रपतियों के बीच हुए अलास्का सम्मेलन पर गौर करते हैं, तो उन्होंने सिर्फ इस बात पर चर्चा की थी कि कितनी ज़मीन का आदान-प्रदान करना होगा। उन्होंने कहा, भारत में, चूंकि हमारे सामने ढाई मोर्चों पर खतरा है, इसलिए जमीन पर मजबूती ही जीत की कुंजी बनी रहेगी। सेना प्रमुख की यह टिप्पणी एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह के उस बयान के दो सप्ताह बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक बार फिर वायु सेना की शक्ति की ''प्रधानता'' स्थापित कर दी है।

सेना प्रमुख ने युद्ध की बदलती प्रकृति और भारतीय सेना द्वारा नई एवं उभरती प्रौद्योगिकियों को शामिल करने के संदर्भ में परिवर्तनकारी बदलावों पर भी विस्तार से बात की।

पूर्वी यूक्रेन के एक गांव पर रूसी ग्लाइड बम से हमला

कीव, नौ सितंबर (एपी) यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को पूर्वी यूक्रेन के एक गांव में पेंशन प्राप्त करने के लिए लाइनों में लगे बुजुर्गों पर रूसी ग्लाइड बम से किए गए हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और दो दर्जन लोग घायल हो गए। जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनेत्स्क क्षेत्र के यारोवा गांव में बम गिरा। उन्होंने हमले के बारे में कहा, निःसंदेह यह क्रूरता है। जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह रूस पर अतिरिक्त आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उसे आक्रमण के लिए दंडित करें।

यूपीआई भारत या पड़ोसी देशों तक सीमित नहीं, अब विश्वव्यापी हो चुका : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर (मध्यप्रदेश), नौ सितंबर (भाषा) केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि भारत की मोबाइल ऐप आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई केवल भारत और पड़ोसी देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब यह विश्वव्यापी हो चुका है। ग्वालियर-चंबल अंचल के तीन दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे सिंधिया ने दुबई में आयोजित 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में यूपीआई और वैश्विक डाक-सेवा संघ (यूपीयू) के समन्वय से चलाई जाने वाली परियोजना का उल्लेख करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था यूपीयू से दुनिया के 193 देश जुड़े हुए हैं और भारतीय डाक विभाग का यूपीयू से समझौता हुआ है। उन्होंने कहा, ''यह समझौता डिजीटल भुगतान प्रणाली यूपीआई को लेकर है। यूपीआई केवल भारत या अन्य पड़ोसी देशों तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह अब विश्वव्यापी हो चुका है। यह सब कुछ संभव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ निश्चय के कारण हुआ है।''

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ने नेपाल में जारी हिंसा को दुखद करार दिया और कामना की कि वहां जल्द शांति बहाल हो। उन्होंने कहा, ''नेपाल का भारत के साथ गहरा रिश्ता है और सिंधिया परिवार के भी पारिवारिक संबंध हैं।''

व्यापार वार्ता को लेकर राजनयिकों की टीम अमेरिका के संपर्क में : सीतारमण

नयी दिल्ली, नौ सितंबर (भाषा) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका के भारतीय उत्पादों पर भारी शुल्क लगाए जाने के बीच राजनयिकों की टीम अमेरिका के संपर्क में है। अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय सामान पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगा दिया है। इससे झींगा, कपड़ा, चमड़ा और जूते जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के निर्यात पर असर पड़ रहा है। सीतारमण ने एनडीटीवी प्रॉफिट जीएसटी कॉन्क्लेव 2025 में कहा, ''हमारी तरफ से, अगर मैं इस शब्द का इस्तेमाल कर सकती हूं, तो हमने सभी दरवाजे खुले रखे हैं। राजनयिकों की टीम अमेरिका के साथ बातचीत कर रही है। व्यापार वार्ता अब भी जारी रह सकती है। इसलिए, हमारी तरफ से, हम दूसरों के लिए कुछ भी मुश्किल नहीं बना रहे हैं।'' भारत और अमेरिका मार्च से द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक पांच दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है। छठे दौर के लिए, अमेरिकी दल पिछले महीने भारत आने वाला था, लेकिन उसने अपनी यात्रा स्थगित कर दी।

पूर्वी यूक्रेन के एक गांव पर रूसी ग्लाइड बम से हमला

कीव, नौ सितंबर (एपी) यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को पूर्वी यूक्रेन के एक गांव में पेंशन प्राप्त करने के लिए लाइनों में लगे बुजुर्गों पर रूसी ग्लाइड बम से किए गए हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और दो दर्जन लोग घायल हो गए। जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनेत्स्क क्षेत्र के यारोवा गांव में बम गिरा। उन्होंने हमले के बारे में कहा, निःसंदेह यह क्रूरता है। जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह रूस पर अतिरिक्त आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उसे आक्रमण के लिए दंडित करें।

सरकार विरोधी प्रदर्शनों को लेकर

प्रधानमंत्री ओली के इस्तीफे के बाद नेपाल में राजनीतिक संकट गहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। नेपाल में सरकार विरोधी जबर्दस्त प्रदर्शनों के दौरान मंगलवार को कई शीर्ष नेताओं के घरों पर हमला किए जाने और प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद देश में राजनीतिक संकट गहरा गया है।

प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई में 19 लोगों की मौत होने के एक दिन बाद, कई शीर्ष नेताओं के घरों, राजनीतिक दलों के मुख्यालयों पर हमला किया गया और यहां तक कि संसद भवन में भी तोड़फोड़ की गई।

छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन में, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और कथित भ्रष्टाचार के प्रति अकर्मण्यता सहित कई मुद्दों को लेकर ओली सरकार के खिलाफ आम लोगों का बढ़ता आक्रोश झलक रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कर्फ्यू और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती का उल्लंघन करते हुए आगजनी की तथा विभिन्न प्रमुख इमारतों और प्रतिष्ठानों पर धावा बोला।

ओली के इस्तीफे से कुछ घंटे पहले, प्रदर्शनकारियों ने बालकोट में उनके निजी आवास में आग लगा दी तथा राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड, संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग, पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के आवासीय परिसरों पर हमला किया। सोशल मीडिया मंचों पर सरकार के प्रतिबंध के खिलाफ सोमवार को शुरू हुए विरोध प्रदर्शन ने मंगलवार को जोर पकड़ लिया तथा प्रदर्शनकारियों ने देश के सभी प्रमुख शहरों और कस्बों में सरकार विरोधी मार्च निकाले। विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं आंशिक रूप से निलंबित कर दी गई हैं। हालात तेजी से बिगड़ने पर, नेपाली सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों ने एक संयुक्त अपील जारी कर संयम बरतने और बातचीत के जरिए संकट का समाधान निकालने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, चूंकि राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री (ओली) का इस्तीफा पहले ही स्वीकार कर लिया गया है।

नेपाल के सेना प्रमुख ने सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद वार्ता की अपील की

काठमांडू/भाषा। नेपाल के सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल ने प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली के इस्तीफे के बावजूद मंगलवार को लगातार दूसरे दिन जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए आगे आने की अपील की। टेलीविजन के जरिये राष्ट्र के नाम संबोधन में जनरल सिगडेल ने कहा, हम प्रदर्शनकारी समूह से अपील करते हैं कि वह विरोध प्रदर्शन रोकें और शांतिपूर्ण समाधान के उद्देश्य से बातचीत के लिए आगे आएं।

कतर में हमास नेताओं को निशाना बनाकर इजराइली हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई, नौ सितंबर (एपी) गाजा में संघर्ष विराम के अमेरिकी प्रस्ताव के बीच इजराइल ने मंगलवार को कतर में हमास नेतृत्व को निशाना बनाकर हमला किया। इस हमले के साथ ही हमास के खिलाफ इजराइल का अभियान और व्यापक हो गया।

धमाके के बाद कतर की राजधानी दोहा के क्षितिज पर काला धुआं छा गया। अधिकारियों ने हमले की पुष्टि की है। ऊर्जा संपन्न कतर अमेरिका का सहयोगी है और हजारों अमेरिकी सैनिकों की मेजबानी करता है। कतर युद्ध से पहले भी कई वर्षों तक इजराइल और हमास के बीच एक प्रमुख मध्यस्थ रहा है।

राजधानी दोहा में धुआं उठते देख कतर ने इसे ''सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानदंडों का घोर उल्लंघन'' बताते हुए इसकी निंदा की।

यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि इस हमले में कोई हताहत हुआ है या नहीं। सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हुए हमले से शुरू हुए युद्ध के बाद से हमास कई बड़े झटके झेल चुका है, इसके बावजूद यह संगठन गाजा में अब भी मौजूद है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बाबा जाल

अवतारी परम पुरुष खुद को,
बाबा बतलाते रहते हैं।
कष्टों के मुक्ति प्रदाता बन,
छल से भरमाते रहते हैं।
उस निराकार को पाने हित,
हम दाँव लगाते रहते हैं।
झूठों के झाँसों में फँस कर,
बस सदा ठगाते रहते हैं।।

प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए 1,600 करोड़ रु. की वित्तीय सहायता का ऐलान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए 1,600 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की मंगलवार को घोषणा की। मोदी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया जो 1988 के बाद से सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है।

प्रधानमंत्री ने राज्य के लिए इस सहायता की घोषणा की जो राज्य के खजाने में पहले से मौजूद 12,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त है। प्रधानमंत्री ने बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के शिकार हुए लोगों के निकटतम परिजनों को दो लाख रुपए और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। इससे पहले उन्होंने बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया और पंजाब में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण भी किया। पंजाब और उसके पड़ोसी हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के लिए एक दिवसीय दौरे पर आए मोदी हवाई सर्वेक्षण करने के बाद राज्य के सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में से एक गुरदासपुर पहुंचे।

इससे पहले उन्होंने हिमाचल प्रदेश का दौरा किया और राज्य में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति का जायजा लिया। गुरदासपुर में, मोदी ने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरदासपुर में अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ एक आधिकारिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा की तथा पंजाब में हुए नुकसान का आकलन किया। बैठक में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां, केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, पंजाब के राजस्व मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी ने पंजाब के लिए 1,600 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की घोषणा की, जो राज्य के पास पहले से मौजूद 12,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त है।

राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष और पीएम किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री ने पूरे क्षेत्र और उसके लोगों की मदद के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत, स्कूलों का पुनर्निर्माण, पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) के माध्यम से राहत प्रदान करना और पशुधन के लिए 'मिनी किट' वितरित करना जैसे उपाय शामिल होंगे। प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और कहा कि केंद्र सरकार इस कठिन समय में राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करेगी और हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने पंजाब के उन परिवारों से भी मुलाकात की जो आपदाओं और बाढ़ से प्रभावित हुए तथा उन सभी लोगों के साथ अपनी पूरी एकजुटता व्यक्त की जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया।

यूपीआई-संचालित लेनदेन को मंजूरी वाली साझा व्यवस्था पर काम जारीः इजराइली अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के साथ द्विपक्षीय निवेश समझौता करने के बाद इजराइल यूपीआई से संचालित लेनदेन को मंजूरी देने वाली एक साझा व्यवस्था पर काम कर रहा है। इजराइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी है। भारत और इजराइल ने सोमवार को द्विपक्षीय निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर दोनों देशों के वित्त मंत्री मौजूद थे।

इजराइल के वित्त मंत्रालय के महालेखाकार याली रोंथेनबर्ग ने पीटीआई-भाषा के साथ खास बातचीत में कहा कि भारत के साथ निवेश समझौता केवल शुरुआत है और भविष्य में भारत के साथ अन्य आर्थिक समझौतों को बढ़ावा देने पर भी ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इजराइल, भारत के साथ एक वित्तीय प्रोटोकॉल पर काम कर रहा है, जिससे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए बेहतर वित्तपोषण उपलब्ध हो सके।

रोंथेनबर्ग ने कहा कि इजराइल और भारत के बीच यूपीआई-आधारित भुगतान प्रणाली के लिए जल्द ही एक समझौता लागू किया जा सकता है। इसके तहत भारतीय नागरिक इजराइल में रुपए में भुगतान कर सकेंगे, जबकि इजराइली नागरिक भारत में अपनी स्थानीय मुद्रा में लेन-देन कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि यूपीआई से संचालित लेनदेन की व्यवस्था 2026 की पहली तिमाही के अंत तक चालू हो सकती है। इजराइल में लेनदेन प्रणाली की बागडोर बैंक ऑफ इजराइल के पास है। उन्होंने कहा कि भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की वार्ता भी प्रगति पर है और दोनों पक्ष इसे कम समय में अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहे हैं। रोंथेनबर्ग ने भारतीय कंपनियों को इजराइल के सार्वजनिक टेंडर में भाग लेने और अपने अनुभव का लाभ उठाने का निमंत्रण भी दिया।

कंप्यूटर बाबा का आरोप-मध्यप्रदेश में गायों की हालत दयनीय, निकालेंगे विरोध मार्च

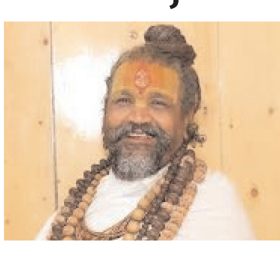

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश में गायों की हालत बेहद दयनीय बताते हुए, हिंदू संत नामदेव दास त्यागी सात अक्टूबर से नर्मदापुरम से 'गौ माता न्याय यात्रा' निकालने की मंगलवार को घोषणा की। उन्हें 'कंप्यूटर बाबा' के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने और अन्य संतों ने यहां बताया कि 'गौ माता के लिए न्याय' के लिए यह विरोध मार्च 14 अक्टूबर को भोपाल में मुख्यमंत्री आवास पर समाप्त होगा।

कंप्यूटर बाबा और उनके सहयोगियों ने संवाददाताओं से कहा, राज्य में गायों की हालत दयनीय है। राज्य की लगभग हर प्रमुख सड़क पर गायों से जुड़ी दुर्घटनाएं होती हैं और कई गायों के साथ-साथ कई लोगों की जान भी चली जाती है। यह स्थिति न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सरकार की लापरवाही और असावधानी का परिणाम है।

कंप्यूटर बाबा ने कहा कि वेदों और हिंदुओं की धार्मिक मान्यताओं में गाय को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि संत समुदाय ने इस संबंध में मुख्यमंत्री मोहन यादव को एक ज्ञापन सौंपा है, लेकिन न तो उन्हें कोई जवाब मिला और न ही उन्हें मिलने का समय दिया गया।

कंप्यूटर बाबा ने कहा कि संवेदनशील मुख्यमंत्री का पाखंड उजागर हो गया है क्योंकि उनके पास गौरक्षा पर चर्चा के लिए दस मिनट भी नहीं हैं।

पत्रकार वार्ता में मौजूद संतों ने कहा, इस निष्क्रियता और उपेक्षा के विरोध में, पूरा संत समुदाय, धर्म प्रेमी, किसान और युवा एकजुट होकर कंप्यूटर बाबा के नेतृत्व में 'गौ माता न्याय यात्रा' का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा के अंत में मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

लगातार मांग आने से निजी निवेश को मिलेगा प्रोत्साहनः शेट्टी

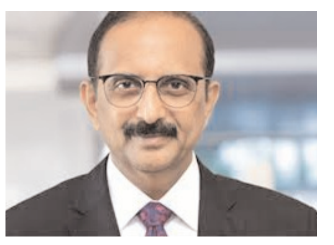

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने मंगलवार को कहा कि कंपनियों के 75 प्रतिशत क्षमता पर काम करने के बीच लगातार घरेलू मांग आने पर ही निजी क्षेत्र में पूंजीगत निवेश बढ़ पाएगा।

शेट्टी ने एक कार्यक्रम में कहा कि इस्पात और सीमेंट जैसे प्रमुख क्षेत्र में अभी कोई बड़ा निवेश नहीं हुआ है और कंपनियां लगभग 75-80 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, अब विस्तार करने का सही समय है लेकिन कंपनियां यह देख रही हैं कि क्या घरेलू मांग लगातार बनी रहती है। सरकार की तरफ से मांग बढ़ाने के उपाय, आरबीआई द्वारा पर्याप्त नकदी डालने और ब्याज दरों में कमी इस भरोसे को बढ़ाने में मदद करेंगे।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय बहुत मजबूत बना हुआ है और सार्वजनिक रिफाइनरी अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए निवेश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि खुद एसबीआई के बही-खातों में लगभग तीन-चार लाख करोड़ रुपए के कॉरपोरेट ऋण हैं, जो मुख्यतः सार्वजनिक क्षेत्र की रिफाइनरी, डेटा सेंटर और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए हैं।

शेट्टी ने सुझाव दिया कि वैश्विक बैंकों की तर्ज पर भारतीय बैंकों को भी विलय एवं अधिग्रहण के लिए वित्तपोषण की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों में अधिग्रहण अधिक पारदर्शी होते हैं और शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित होते हैं लिहाजा इसे वित्तपोषित किया जाना चाहिए।

यूरोपीय संघ ने निर्यात के लिए 102 और भारतीय समुद्री उत्पाद इकाइयों को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। यूरोपीय संघ (ईयू) ने भारत से 102 अतिरिक्त समुद्री उत्पाद इकाइयों को निर्यात के लिए मंजूरी दे दी है। इससे ये उत्पाद इकाइयां यूरोपीय संघ को आपूर्ति करने के योग्य हो गई हैं। यूरोपीय संघ देश का दूसरा सबसे बड़ा समुद्री खाद्य निर्यात गंतव्य है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही, कुल 604 भारतीय इकाइयां यूरोपीय संघ द्वारा सूचीबद्ध हो गई हैं।

अधिकारी ने कहा, इस कदम से यूरोपीय संघ को भारत के समुद्री खाद्य निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। इससे हमारे समुद्री खाद्य निर्यात में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2023-24 में, यूरोपीय संघ को भारत का समुद्री खाद्य निर्यात 1.1 अरब डॉलर का हुआ था।

यह घटनाक्रम भारत के झींगा मछली निर्यात में विविधता लाने के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत के भारी शुल्क से बुरी तरह प्रभावित है।

अधिकारी ने कहा कि इन इकाइयों को यूरोपीय संघ द्वारा सूचीबद्ध करना भारत की लंबे समय से लंबित मांग थी।

अमेरिका, यूरोपीय संघ, चीन, जापान, वियतनाम और थाइलैंड, भारत के प्रमुख समुद्री खाद्य निर्यात गंतव्य हैं।

अधिकारी ने कहा, यह सूचीकरण हमारे निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह इस बात का भी प्रमाण है कि हमारी इकाइयां उच्च मानकों को बनाए रख रही हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का झींगा मछली निर्यात 4.88 अरब डॉलर का था, जो कुल समुद्री खाद्य निर्यात का 66 प्रतिशत था।

उप राष्ट्रपति चुनाव में भाजपा आंकड़ों में जीती, लेकिन उसकी नैतिक और राजनीतिक हार हुईः कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि उप राष्ट्रपति चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भले ही आंकड़ों के लिहाज से जीत गई है, लेकिन वास्तव में उसकी नैतिक और राजनीतिक दोनों हार हुई है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने उप राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद यह भी कहा कि विपक्ष एकजुट रहा और उसका प्रदर्शन सम्मानजनक था। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष एकजुट रहा। इसका प्रदर्शन निस्संदेह अत्यंत सम्मानजनक रहा है। इसके संयुक्त उम्मीदवार न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी. सुदर्शन रेड्डी को 40 प्रतिशत वोट मिले। 2022 के उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष को 26 प्रतिशत वोट मिले थे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की आंकड़ों में जीत हुई है, लेकिन वास्तव में नैतिक और राजनीतिक दोनों तरह से यह उसकी हार है। रमेश ने कहा, वैचारिक लड़ाई अब भी जारी है। इससे पहले, रमेश ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा था, उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान शुरू हो गया। विपक्ष एकजुट खड़ा रहा। हमारे सभी 315 सांसदों ने मतदान किया। उप राष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को हुए चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन विजयी घोषित किए गए।

कर छूट के बाद ज्यादातर कर्मचारी बचत, निवेश को दे रहे तरजीहः रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। आयकर में छूट के साथ कर्मचारियों का झुकाव वित्तीय नियोजन की ओर हुआ है। लगभग 57 प्रतिशत लोग अपनी अतिरिक्त आय को बचत और निवेश में लगा रहे हैं। नई कर व्यवस्था लागू होने के छह महीने बाद, एक रिपोर्ट में यह कहा गया है।

रोजगार के बारे में सूचना देने वाला मंच नौकरी की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 की नई कर व्यवस्था लागू होने के छह महीने बाद, 12.75 लाख रुपए प्रति वर्ष तक कमाने वाले पेशेवर सोच-विचार कर खर्च की तुलना में बचत, निवेश और ऋण चुकाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह रिपोर्ट नौकरी द्वारा 12.75 लाख रुपए प्रति वर्ष तक कमाने वाले 20,000 से अधिक पेशेवरों के देश भर में किए सर्वेक्षण पर आधारित है। इन लोगों पर कर देनदारी अब शून्य है। रिपोर्ट में पाया कि नई कर व्यवस्था को लेकर सभी लोग जागरूक नहीं हैं। नए लोग सबसे ज्यादा जानकारी रखते हैं। 64% ने लाभों के बारे में पूरी जानकारी होने की बात कही है, वहीं 43 प्रतिशत प्रतिभागियों ने स्वीकार किया कि वे या तो स्पष्ट नहीं हैं या बदलावों से पूरी तरह अनजान हैं।

प्रदेश और देश की जनता वोट चोरी बर्दाश्त नहीं करेगी : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर/भाषा। कांग्रेस महासचिव एवं पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने कहा है कि प्रदेश और देश की जनता ''वोट चोरी'' बर्दाश्त नहीं करेगी।

पायलट बिलासपुर के मुंगेली नाका स्थित ग्रीन पार्क मैदान में प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के तहत एक बड़ी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूरे देश में इस अभियान की शुरुआत कर दी है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों उन्होंने बिहार में वोट अधिकार रैली का भी आयोजन किया जहां लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। पायलट ने कहा कि मतदाता को वोट के अधिकार से वंचित करना सबसे बड़ा अपराध है। उन्होंने कहा, आज देश के सामने वोट चोरी एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है इसलिए छत्तीसगढ़ में भी हम इस अभियान को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इसी अभियान के तहत आगामी 16 तारीख से कांग्रेस रायगढ़ से हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी और प्रदेश के सभी बड़े जिलों में एक बार फिर वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान को आगे ले जाएगी। पायलट ने आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे देश की जनता चाहती है कि निष्पक्ष चुनाव हो लेकिन भारतीय जनता पार्टी और निर्वाचन आयोग चाहता है कि देश में एक पार्टी का ही राज हो। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर कटाक्ष करते हुए कहा, उसकी गतिविधियों से ऐसा प्रतीत होता है कि दाल में कुछ काला है। मुझे तो लगता है दाल ही काली है।

कांग्रेस नेता पायलट ने छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के संबंध में कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले एक लाख लोगों को नौकरियां देने, 500 रुपए में रसोई गैस का सिलेंडर देने का वादा किया गया था, जिसे उन्होंने पूरा नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया, छत्तीसगढ़ में 10 हजार स्कूल बंद कर दिए गए।

एक साल में डेढ़ लाख रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच सकती है चांदी : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत औद्योगिक मांग, कमजोर डॉलर और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सुरक्षित निवेश प्रवाह के कारण आने वाले महीनों में चांदी की कीमतें 1.5 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती हैं। इस दृष्टिकोण के अनुसार, वैश्विक बाजारों में, चांदी 50 डॉलर प्रति औंस के स्तर को छू सकती है। अपने तिमाही पूर्वानुमान में, वित्तीय सेवा कंपनी ने कहा कि चांदी ने एमसीएक्स पर इस साल अबतक लगभग 37% का लाभ दिया है, जो कई परिसंपत्ति वर्गों से बेहतर प्रदर्शन है। चांदी को निवेश और औद्योगिक मांग, भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीति में ढील की उम्मीदों के मिश्रण से लाभ हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले लक्ष्यों को हासिल करने के बाद, हमारा मानना है कि चांदी में और भी तेजी आने की संभावना है। हमें उम्मीद है कि घरेलू मोर्चे पर कीमतें छह महीनों में धीरे-धीरे 1,35,000 रुपए प्रति किलोग्राम और फिर 12 महीनों में 1,50,000 रुपए प्रति किलोग्राम की ओर बढ़ेंगी, बशर्ते रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.5 के आसपास कारोबार करे। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. को उम्मीद है कि कॉमेक्स चांदी वायदा शुरुआत में 45 डॉलर प्रति औंस और तेजी के अगले चरण में 50 डॉलर प्रति औंस के स्तर को छू सकता है।

जीएसटी सुधार से खपत बढ़ेगी, राजस्व में आएगी कमी : मूडीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मूडीज रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि जीएसटी सुधार परिवारों के लिए राजकोषीय नीति समर्थन का एक और रूप हैं और इससे उपभोग को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, इन सुधारों से सरकार के राजस्व में कमी आएगी। मूडीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत की प्रभावी जीएसटी दरों में कमी से निजी उपभोग को बढ़ावा मिलने और आर्थिक वृद्धि को ऐसे समय में समर्थन मिलने की संभावना है जब देश उच्च अमेरिकी शुल्क के कारण बाहरी दबावों का सामना कर रहा है। जीएसटी परिषद ने पिछले सप्ताह माल एवं सेवा कर के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी।

सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी। तंबाकू और संबंधित उत्पादों पर 31 दिसंबर तक 28 प्रतिशत कर और क्षतिपूर्ति उपकर लागू रहेगा। वर्तमान में, जीएसटी पांच प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की दरों पर लगाया जाता है। मूडीज ने कहा, जीएसटी सुधार परिवारों के लिए राजकोषीय नीति समर्थन का एक और रूप हैं। यह फरवरी में घोषित की गई उच्च आयकर सीमा का पूरक है...। दोनों उपायों का उद्देश्य घरेलू उपभोग को बढ़ावा देना है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि जीएसटी ढांचे में बदलाव से खरीदी और बेची जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर लागू औसत कर दरों में प्रभावी कमी आएगी। इसमें उच्च कर दरों को समाप्त कर दिया गया है और साथ ही कई वस्तुओं के लिए जीएसटी को हटा दिया गया है। मूडीज ने कहा कि कम कीमतें मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखने में भी मदद करेंगी। सरकार का अनुमान है कि इस वर्ष शुद्ध राजस्व हानि 48,000 करोड़ रुपए (5.4 अरब डॉलर) होगी, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आंकड़ों पर आधारित है। मूडीज ने कहा, फरवरी में वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में घोषित कर उपायों, विशेष रूप से आयकर भुगतान के लिए व्यक्तिगत आय सीमा में वृद्धि के साथ, जीएसटी में कर दरों में कमी से राजस्व वृद्धि पर असर होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन
CHANGE OF NAME
I, **Neeta Sundriyal Maindola,** Wife of JC 342660-X RANK- SUB MAJ, Name- Santosh Kumar Maindola R/O B-86, Subhash Nagar, VILL - Shafipur, PO- Roorkee, DIST-Haridwar, Uttarakhand 247667 have changed my name from **Neeta Sundriyal Maindola** to **Neeta Maindola** for all future purposes and in my husband's service records. my date of birth wrongly mentioned as **06-10-1983** instead of my correct date of birth as **25-06-84** vide Affidavit dated 23-08-2025 before Notary Y.R.Chandrasekar, Bangalore- 560032

किसानों के लिए स्वदेशी मेलों का आयोजन किया जाएगाः हरियाणा कृषि मंत्री

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने मंगलवार को जैविक खेती और नई तकनीकों की जानकारी प्रदान करने के लिए राज्य में स्वदेशी मेलों को बढ़ावा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए सभी विभागों को शामिल किया जाएगा, जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राणा ने यह भी कहा कि 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक 'सेवा पखवाड़ा' मनाया जाएगा और इस दौरान सभी विधायक और मंत्री किसानों से मिलकर रबी फसलों की तैयारियों पर चर्चा करेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। राणा ने किसानों को आश्वासन दिया कि हरियाणा सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है और उनकी सभी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह समर्पित है और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बारिश के कारण हुए जलभराव से प्रभावित किसानों को राहत प्रदान करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। एक सरकारी बयान के अनुसार, राणा ने किसानों से हाल ही में आई बाढ़ अथवा जलभराव से हुए अपनी फसल के नुकसान का विवरण 15 सितंबर तक 'हरियाणा क्षतिपूर्ति पोर्टल' पर अपलोड करने का आग्रह किया, ताकि सत्यापन के बाद शीघ्र मुआवजा प्रदान किया जा सके। राणा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित उपायुक्तों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के किसानों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। फ्रांस और नीदरलैंड की अपनी हालिया यात्रा के बारे में, राणा ने कहा कि इस यात्रा के दौरान उन्होंने कृषि उत्पादों, विशेष रूप से आलू और फूलों की खेती से संबंधित नई तकनीकों और बाजारों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा, नीदरलैंड में हुए आलू सम्मेलन ने यूरोप में आलू के उत्पादन और निर्यात के बारे में जानकारी प्रदान की। राणा ने कहा कि यूरोप के मजबूत पुष्प उत्पादन क्षेत्र से प्रेरित होकर, हरियाणा राज्य में फूलों की खेती को बढ़ावा देने की भी योजना बना रहा है। मंत्री ने कहा कि यह यात्रा बेहद सफल रही और राज्य का कृषि विभाग किसानों को वैश्विक बागवानी और पुष्प उत्पादन बाजारों में उपयोग की जाने वाली नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने को आवश्यक कदम उठाएगा।

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार वार्ता में अच्छी प्रगतिः गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि यूरोपीय संघ के व्यापार और कृषि आयुक्तों के भारत दौरा करने पर दोनों पक्ष व्यापार समझौते को काफी हद तक अंतिम रूप देने की स्थिति में होंगे। यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक और कृषि आयुक्त क्रिस्टोफ हैंसन के इस सप्ताह भारत आने की संभावना है।

दोनों पक्षों के प्रमुख वार्ताकार इस समय प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 13वें दौर की बातचीत कर रहे हैं। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, व्यापार समझौते पर बातचीत में तेजी से प्रगति हो रही है। दोनों पक्ष विभिन्न हिस्सों पर सक्रिय रूप से समन्वय कर रहे हैं। समझौते के लगभग 60-65 प्रतिशत अध्याय अब पूरी तरह से तैयार और अंतिम रूप दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा, जब मेरे सहयोगी मारोस सेफकोविक और क्रिस्टोफ हैंसन भारत आएंगे, तब हम काफी हद तक समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तैयार होंगे। गोयल की टिप्पणी यह संकेत देती है कि भारत-यूरोपीय संघ एफटीए पर वार्ता अब अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर चुकी है और जल्द ही इसे औपचारिक रूप से अंतिम रूप दिया जा सकता है। भारत और 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ ने जून, 2022 में व्यापक एफटीए, निवेश संरक्षण समझौते और भौगोलिक संकेतक (जीआई) पर बातचीत आठ साल के अंतराल के बाद दोबारा शुरू की थी। एफटीए पर वार्ता 2013 में बाजार खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण रुक गई थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस साल 28 फरवरी को इस बात पर सहमति जताई थी कि वर्ष 2025 के अंत तक व्यापार समझौता पूरा कर लिया जाएगा।

यूरोपीय संघ वाहन और चिकित्सा उपकरणों पर शुल्क में कटौती के साथ शराब, वाइन, मांस एवं पॉल्ट्री उत्पादों पर कर में कटौती और मजबूत बौद्धिक संपदा प्रणाली की मांग कर रहा है। वहीं एफटीए होने से भारत के रेडिमेड कपड़े, दवा, इस्पात, पेट्रोलियम उत्पाद और बिजली उपकरण अधिक प्रतिस्पर्धी हो सकते हैं। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है।

भारत के कुल निर्यात में इसकी हिस्सेदारी करीब 17 प्रतिशत है जबकि यूरोपीय संघ के कुल निर्यात में भारत की हिस्सेदारी नौ प्रतिशत है।

मद्दुर में स्थिति नियंत्रण में, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि मांड्या जिले के मद्दुर में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान सात सितंबर को हुई पथराव की घटना के बाद उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति अब नियंत्रण में है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। गृह मंत्री ने सभी समुदायों से शांति बनाए रखने की अपील की और कानून को हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

घटना के मद्देनज़र मंगलवार को भी मद्दुर शहर में भारी पुलिस बल तैनात है, हालांकि स्थिति शांतिपूर्ण बनी रही। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा दिए गए बंद के आह्वान को देखते हुए एहतियात बरता गया। गृह मंत्री परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा, मद्दुर में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। जिले के प्रभारी मंत्री (एन चेलुवरायास्वामी) दोनों समुदायों के बीच सौहार्द बनाए रखने के लिए शांति बैठक कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''जो भी दोषी है, चाहे वह हिंदू हो या मुस्लिम या कोई और, किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा। कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी, किसी के साथ कोई रियायत नहीं बरती जाएगी।'' परमेश्वर ने यह भी कहा कि जब गणेश उत्सव और विसर्जन जुलूस शांतिपूर्वक चल रहा था, तब अगर कुछ शरारती तत्व जानबूझकर छोटे शहर में तनाव पैदा करने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें कदापि नहीं बख्शा जा सकता।

उन्होंने बताया कि कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और चार-पांच आरोपी अब भी फरार हैं, जिन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। इस संबंध में मांड्या के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बलादंडी ने बताया कि 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि चार अब भी फरार हैं। गिरफ्तार सभी 22 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है और उन्हें पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी ताकि घटना की साजिश और साजिशकर्ताओं की जानकारी मिल सके।

परमेश्वर ने चेतावनी दी कि पत्थरबाजी करने वालों और भड़काने वालों को नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा, ''बाहरी लोगों को वहां जाकर भड़काने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और वीडियो के माध्यम से जानकारी जुटा रही है। दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।'' घटना के पूर्व नियोजित होने की आशंका पर पूछे गए सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा ''यह जांच का विषय है। यदि यह पूर्व नियोजित पाया जाता है, तो दोषियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।'' पुलिस की भूमिका पर उठे सवालों पर उन्होंने कहा ''क्या पुलिस ने पत्थर फेंके? पुलिस की भूमिका तो बाद में आती है। पहले यह देखा जाना चाहिए कि पत्थर किसने फेंके और स्थिति को किसने बिगाड़ा?''

जब उनसे पूछा गया कि भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को मद्दुर जाने की योजना बना रहा है, तो उन्होंने कहा, ''किसी को भी जाने से रोका नहीं जा रहा है, लेकिन सभी को सहयोग करना चाहिए और शांति बनाए रखनी चाहिए। वहां जाकर किसी भी तरह की उकसावे की कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'' राज्य की कांग्रेस सरकार पर मुस्लिम तुष्टीकरण के विपक्षी आरोपों पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी, ''इस घटना में कौन सा तुष्टीकरण हुआ है? इस तरह के निराधार आरोप नहीं लगाने चाहिए।''

मद्दुर में पथराव के दौरान लाइटें बंद होना संदेह पैदा करता है : पुलिस अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। पुलिस महानिरीक्षक (दक्षिणी रेंज) एम. बी. बोरलिंगैया ने मंगलवार को कहा कि सात सितंबर को मद्दुर में गणेश मूर्ति विसर्जन शोभा यात्रा पर पथराव के दौरान लाइटें बंद हो जाने से घटना के पूर्व नियोजित होने का संदेह होता है और इस संबंध में जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि मद्दुर में स्थिति फिलहाल शांतिपूर्ण है और स्थिति पूरी तरह से पुलिस के नियंत्रण में है। मद्दुर में पथराव की घटना के बाद तनाव व्याप्त हो गया था।

यहां 22 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस घटना की संदिग्ध साज़िश के बारे में उन्होंने कहा, ''हम इसकी जड़ तक जाएंगे।'' पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बोरलिंगैया ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने सीसीटीवी फुटेज की पुष्टि की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना के समय लाइटें बंद थीं। सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि पत्थर फेंका गया है। लेकिन, क्या कोई साजिश थी, यह कैसे हुआ और असल कारण क्या है? इन सभी बातों की जांच की जा रही है।

यह पूछे जाने पर कि क्या यह घटना पूर्वनियोजित थी उन्होंने कहा, ''इस समय यह नहीं कहा जा सकता कि यह पूर्वनियोजित थी।

लेकिन निश्चित रूप से लाइटें बंद होने से हमें संदेह हुआ कि क्या कोई साजिश थी। इसकी पुष्टि की जाएगी और इसमें जो लोग शामिल थे, उनका पता लगाया जाएगा।'' आईजीपी ने बताया कि रविवार शाम करीब सात बजे शोभा यात्रा के दौरान पथराव की घटना हुई जिसके जवाब में कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए वहां तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मियों ने पांच मिनट के भीतर भीड़ को तितर-बितर कर दिया।

अतिरिक्त बलों को भी तैनात किया गया और यह सुनिश्चित करने के लिए निवारक कार्रवाई की गई कि स्थिति नियंत्रण से बाहर न हो जाए।

बोरालिंगैया ने कहा कि मद्दूर बंद के आह्वान के मद्देनजर आवश्यक बंदोबस्त लागू कर दिया गया है। जिला प्रभारी मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी के नेतृत्व में दिन में एक शांति बैठक आयोजित की जा रही है जिसमें बुधवार को होने वाले सामूहिक गणेश मूर्ति विसर्जन के संबंध में भी चर्चा की जाएगी।

मंड्या के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एहतियात के तौर पर चार पुलिस अधीक्षकों, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों और कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस बल सहित लगभग 800 कर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा, स्थिति नियंत्रण में है और शांतिपूर्ण है। कल सुबह तक निषेधाज्ञा लागू रहेगी। पर्याप्त बल तैनात किया गया है और शराब की बिक्री पर रोक लगा दी गई है।

बेंगलूरु की अदालत ने अभिनेता दर्शन की जेल स्थानांतरण याचिका खारिज की

जेल में सीमित रियायतें मंजूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक स्थानीय अदालत ने रेणुकास्वामी हत्याकांड के सह-आरोपी अभिनेता दर्शन की वह याचिका मंगलवार को खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने खुद को परप्पन अग्रहारा केंद्रीय कारागार से बल्लारी जेल स्थानांतरित किये जाने का अनुरोध किया था। अदालत ने कहा कि याचिका में एक जेल से दूसरे में भेजे जाने को लेकर कोई ठोस आधार नहीं दिया गया है, लेकिन उसने (अदालत ने) जेल परिसर के भीतर कुछ सीमित रियायतें देने की अनुमति अवश्य दी।इन रियायतों में दर्शन को जेल परिसर में टहलने की अनुमति शामिल है। इसके अलावा, अदालत ने उन्हें बुनियादी सुविधाएं, यथा-एक अतिरिक्त बिस्तर, तकिया और चादर मुहैया कराने की इजाजत दी, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि ये सभी रियायतें जेल नियमावली के तहत ही दी जाएंगी। अदालत ने यह भी कहा कि यदि किसी नियम का उल्लंघन होता है, तो जेल महानिरीक्षक (आईजी-जेल) को आरोपी को अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत स्थानांतरित करने का अधिकार होगा। दर्शन ने सुनवाई के दौरान भावुक अपील करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले 30 दिनों से सूरज नहीं देखा और उनके हाथों में फंगल इंफेक्शन हो गया है। उन्होंने कथित तौर पर न्यायाधीश से कहा, ''मुझे जहर देने का आदेश पारित कर दीजिए।'' इस पर न्यायाधीश ने उन्हें फटकार लगाई और ऐसी बातें दोबारा न कहने की नसीहत दी। हालांकि अदालत ने स्थानांतरण याचिका खारिज कर दी, लेकिन उन्हें जेल के भीतर टहलने और अतिरिक्त बिस्तर जैसी सीमित राहत प्रदान की गई।

गौरतलब है कि दर्शन, अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा और अन्य कई लोगों पर आरोप है कि उन्होंने 33-वर्षीय प्रशंसक रेणुकास्वामी का अपहरण कर उसे शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया। पुलिस के अनुसार, यह घटना जून 2024 में बेंगलूरु के एक शेड में हुई थी, जहां पीड़ित (रेणुकास्वामी) को तीन दिनों तक बंधक बनाकर यातना दी गई और बाद में उसका शव एक नाले से बरामद किया गया।

ईद मिलाद के दौरान भद्रावती में पाकिस्तान समर्थित नारे लगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। जिले के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील शहर भद्रावती में ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के दौरान कथित रूप से पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाए गए। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सोमवार रात भद्रावती के 'ओल्ड टाउन' में एक मुस्लिम संगठन ने यह समारोह आयोजित किया था। वायरल हुए वीडियो में कुछ युवक कथित रूप से पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते दिख रहे हैं। इस घटना ने पहले भी सांप्रदायिक दंगों का गवाह रहे इस जिले के लोगों के बीच चिंता बढ़ा दी है।

शिवमोग्गा के पुलिस अधीक्षक मिथुन कुमार ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा, ''मामला सोमवार का है। हम भद्रावती में एक प्राथमिकी दर्ज कर रहे हैं और इसमें शामिल लोगों की पहचान कर रहे हैं। हम यह पता लगा रहे हैं कि यह घटना कहां और कब हुई, किसने नारे लगाए, वीडियो की सत्यता क्या है, और उसके बाद जांच शुरू करेंगे।'' पुलिस अधीक्षक ने बताया कि तीन निरीक्षकों के नेतृत्व में पुलिस के तीन दल लोगों की पहचान के लिए गठित किए गए हैं।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हमारे पास ड्रोन, सीसीटीवी और हमारी वीडियो टीम द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो हैं।'' उन्होंने कहा कि जांच में तथ्य सामने आने के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा, हमने इस घटना को गंभीरता से लिया है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस तरह के नारे लगाने की मानसिकता की निंदा की। चिक्कबल्लापुर से भाजपा सांसद के. सुधाकर ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि राज्य में कांग्रेस के शासन में राष्ट्र-विरोधी तत्वों का हौसला बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत दो साल पहले विधान सौधा के गलियारों में इसी तरह की नारेबाजी से हुई थी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने इस घटना को देशद्रोह का 'जघन्य कृत्य' करार दिया। शिकारीपुरा के विधायक ने कहा कि ऐसा लगता है कि 'पाकिस्तान ज़िंदाबाद' का नारा लगाना कांग्रेस सरकार का एजेंडा बन गया है। विजयेंद्र ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, विधान सौधा के अंदर 'पाकिस्तान ज़िंदाबाद' के नारे लगाने के लिए भी खुद कांग्रेस ने ही प्रोत्साहित किया था। राष्ट्रविरोधी उपद्रवियों ने अब सड़कों पर देशद्रोही नारे लगाने शुरू कर दिए हैं। इस संबंध में कल भद्रावती में ईद मिलाद जुलूस के दौरान 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने की घटना देशद्रोह का एक जघन्य कृत्य है।

राज्यपाल को केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बनकर फोन करने वाला व्यक्ति जांच के घेरे में

बेंगलूरु। खुद को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बताते हुए एक व्यक्ति ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को कथित रूप से फोन किया और काम के सिलसिले में मदद मांगी। राजभवन से जुड़े सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह फोन कॉल शनिवार दोपहर को प्राप्त हुई थी। फोन करने वाले ने स्वयं को धर्मेंद्र प्रधान बताते हुए किसी कार्य में सहयोग मांगा।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: Auto_Sig_CSDR-PKD के लिए शुद्धिपत्र सं: 3 दिनांक: 11.08.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
शुद्धिपत्र 3: बेंगलुरु विभाग के चन्नासंद्रा - पेनुकोंडा अनुभाग के बीच स्वचालित सिग्नलिंग के प्रावधान के तहत लाभार्थी के लिए दस्तावेज़ जोड़े गए और बीजी को भौतिक रूप से जमा करने के लिए पता दिया गया है। (विवरण पहले ही वेबसाइट पर अपलोड किया जा चुका है)	रु. 1,39,40,69,610.88

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 22.09.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर निर्माण/बेंगलूरु छावनी

PUB/438/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 25/MYS/2025, दिनांक: 03.09.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	विवरण संक्षेप में	अनुमानित लागत
1	**उप कार्य-1: अ)** बल्लुपेटे - बल्लुपेटे स्टेशन पर 550 मी. एप्रोच रोड के लिए मरम्मत कार्य। **उप कार्य-1: बी)** सकलेशपुर - सकलेशपुर स्टेशन पर 170 मी. एप्रोच रोड के लिए मरम्मत कार्य। **उप कार्य-2: ए)** सकलेशपुर - सकलेशपुर में स्वास्थ्य यूनिट पर मरम्मत कार्य। **उप कार्य-2: बी)** कबकापुत्तूर - कबकापुत्तूर में स्वास्थ्य यूनिट पर मरम्मत कार्य। **उप कार्य-3:** सकलेशपुर - एआरटी यार्ड पर ड्रैन और सीसी फ्लोरिंग का प्रावधान।	रु. 1,28,19,478/-
2	**हासन - मंगलूरु विभाग:** एसएसई/ब्रिज/सकलेशुपर क्षेत्राधिकार में हासन - मंगलूरु जं. विभाग (सकलेशपुर - सुब्रमण्या रोड घाट विभाग सहित) पर वर्ष 2020-21 और 2022-23 के लिए स्टील गार्डर पुलों की पेंटिंग का देय काम। (ब्रिज नं. 293, 296 298, 300, 367, 400, 474, 539 & आईओएच शेड और 15, 23, 133, 142,165, 177, 180, 183, 184, 185, 186, 187, 188,189, 190, 192, 193, 194, 200, 232, 233, 238, 239, 241, 243, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 264, 281, 283, 287, 289, 292, 297, 303, 318, 322, 326, 327, 328, 334, 335, 337, 353, 358, 366 & 578) (बचा हुआ कार्य)	रु. 1,42,08,435/-
3	**ब्रिज के बियरिंग का प्रतिस्थापन कार्य - अमरावती कालोनी कोट्टूरु विभाग -** किमी. 78/700-800 पर ब्रिज सं. 177, किमी. 82/800-900 पर ब्रिज सं. 183, किमी. 83/800-900 पर ब्रिज सं. 186, किमी. 90/200-300 पर ब्रिज सं. 197,किमी. 104/300-400 पर ब्रिज सं. 234, किमी. 108/700-800 पर ब्रिज सं. 238, . 109/300-400 पर ब्रिज सं. 239, किमी. 39/900 - 34/ 400 पर ब्रिज सं. 246। **कडूर - चिक्कमगलूरु विभाग** - किमी. 15/600-700 पर ब्रिज सं. 27, किमी. 21/600-700 पर ब्रिज सं. 47। **मैसूरु येलियूरु विभाग** - किमी. 123/700-800 पर ब्रिज सं. 727 अप और ब्रिज सं. 727 डाऊन। (कुल 12 नं. ब्रिज)	रु. 53,04,862/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 29.09.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/441/AAF/PRB/SWR/2025-26 वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / मैसूरु

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान 400 वैज्ञानिकों ने चौबीसों घंटे किया कार्य : इसरो प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने मंगलवार को बताया कि ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान पृथ्वी अवलोकन और संचार उपग्रहों के माध्यम से सहायता प्रदान करने के लिए 400 से अधिक वैज्ञानिकों ने चौबीसों घंटे काम किया। अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) के 52वें राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन को संबोधित करते हुए नारायणन ने कहा कि इसरो ने राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं के लिए उपग्रह डेटा उपलब्ध कराया।

उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी उपग्रह चौबीसों घंटे सक्रिय थे और सभी आवश्यकताओं को पूरा कर रहे थे। नारायणन ने कहा 400 से अधिक वैज्ञानिक दिन-रात, पूरी क्षमता के साथ काम कर रहे थे और मिशन के दौरान सभी पृथ्वी अवलोकन और संचार उपग्रह पूरी तरह से सक्रिय थे। इसरो प्रमुख ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सशस्त्र संघर्षों में अंतरिक्ष क्षेत्र की भूमिका पर विशेष ध्यान गया। इस दौरान ड्रोन और 'स्वदेशी आकाश तीर' जैसी वायु रक्षा प्रणालियों की क्षमताओं की व्यापक जांच हुई।

इसरो प्रमुख ने बताया कि मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' परियोजना के तहत अब तक 7,700 से अधिक जमीनी परीक्षण पूरे किए जा चुके हैं और आगामी मानव अंतरिक्ष उड़ान से पहले 2,300 परीक्षण और किए जाएंगे। 'गगनयान' मिशन के तहत इसरो बिना चालक दल वाले तीन मिशन संचालित करेगा, जिनमें पहला मिशन इस वर्ष दिसंबर में अपेक्षित है। इसके बाद दो और मानव रहित मिशन होंगे। 'गगनयान' परियोजना के तहत दो मानवयुक्त मिशनों के संचालन के लिए भी अनुमोदन मिल चुका है। नारायणन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसरो को 2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने और 2040 तक एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को चंद्रमा पर उतारने का लक्ष्य सौंपा है।

ईवीएम-वीवीपैट के पारदर्शी मूल्यांकन के लिए तैयार : प्रियांक खरगे का निर्वाचन आयोग को पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि राज्य न्यायिक और उद्योग निगरानी में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम)-वोटर वेरीफायबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) प्रक्रिया का पूरे पारदर्शी तरीके से मूल्यांकन करने के लिए तैयार है। खरगे ने छह सितंबर को निर्वाचन आयोग को लिखे अपने पत्र की एक प्रति सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर फिर से पोस्ट की।

खरगे ने अपने पत्र में कहा कि उन्होंने तीन दिसंबर 2024 को भी निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा था, जिसमें ईवीएम की कार्यप्रणाली और उससे जुड़ी प्रक्रियागत कमजोरियों को लेकर चिंता जताई थी और राज्य सरकार के समर्थन से अदालत की निगरानी में ऑडिट करवाने के लिए एक व्यावहारिक समाधान का सुझाव दिया था। पत्र में लिखा था, हमारे पास मजबूत तकनीक और शोध प्रणाली है, इसलिए मैंने प्रस्ताव दिया था कि कर्नाटक इस तरह की पारदर्शी प्रक्रिया को न्यायिक और उद्योग विशेषज्ञों की निगरानी में अच्छी तरह से कर सकता है। इससे ईवीएम की प्रणाली की कड़ी जांच हो सकेगी और चुनावों की पारदर्शिता को लेकर जनता की चिंताओं को दूर किया जा सकेगा। खरगे ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री के रूप में उन्होंने कई मौकों पर निर्वाचन आयोग के समक्ष औपचारिक रूप से इसी तरह के सुझाव रखे हैं। उन्होंने कहा, मेरा उद्देश्य हमेशा से चिंताओं को दूर करना और व्यवस्था में जनता का विश्वास मजबूत करना रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थाओं की स्वतंत्रता और हमारे चुनावों की निष्पक्षता को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, ऐसे समय में पारदर्शिता बढ़ाने वाले प्रस्तावों को अपनाना और भी जरूरी हो जाता है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ओपन सूचना सं. 19/SBC/25, दिनांक: 28.08.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार ई-नीलामी / ई-निविदा हेतु निविदादाताओं को आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	विवरण संक्षेप में	अनुमानित लागत
1	**वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/पूर्व/बेंगलूरु विभाग: उप कार्य-1:** बंगारपेट (बीडब्ल्यूटी) स्टेशन पर क्विक वाटरिंग सिस्टम का प्रावधान. **उप कार्य-2: सर एम विश्वेश्वराया टर्मिनल (एसएमवीटी):** सर एम विश्वेश्वराया टर्मिनल (एसएमवीटी) में वाटरिंग लाईनों पर प्रस्तावित वाटर मीटरों का स्थापना। रखरखाव की अवधि - 06 महिने।	रु. 1,85,25,287/-
2	**बेंगलूरु - जोलारपेट विभाग: उप कार्य-1:** सहायक विभागीय इंजीनियर/ बंगारपेट उप विभाग में किमी. 246/100-200 (मौजूदा स्पैन 2x12.20 अप और डाऊन) पर ब्रिज नं. 683 का स्टील गिर्डरों को पीएससी स्लैब से प्रतिस्थापन करना। **उप कार्य-2:** बेंगलूरु पूर्व (बीएनसीई) - बायप्पनहल्ली (बीवायपीएल) स्टेशनों के बीच किमी. 347/500-600 पर ब्रिज नं. 838/बी अप और डाऊन लाईन के लिए स्टील गिर्डरों को पीएससी स्लैब (1X11.52 मी.) से प्रतिस्थापन करना। रखरखाव की अवधि - 6 महिने या एक मानसून अवधि में जो बाद में आएगा।	रु. 2,18,10,489/-
3	**बेंगलूरु - जोलारपेट विभाग: उप कार्य-1:** एसएसई/पी.वे/बेंगलूरु विभाग में बेंगलूरु (एसबीसी) यार्ड में रोड नं. 5, 6, 7, 14, 15 और 16 में 8.042 किमी. लंबाई दूर के लिए स्लीपर घनत्व को 1310 से 1540 तक बढ़ाना। **उप कार्य-2: बेंगलूरु - जोलारपेट विभाग:** किमी. 303/200-304/900 से डाऊन हाईन पर 1.7 किमी. लंबाई दूर के लिए मौजूदा 60 केजी रेल्स को 60केजी/110 यूटीएस क्लास 1 रेल्स से थ्रू रेल रिन्यूअल (पी) कार्य। **उप कार्य-3: बेंगलूरु - जोलारपेट विभाग:** एसएसई/पी.वे/कोलार विभाग में डाऊन लाईन पर किमी. 311/500-296/500 से 15 किमी. लंबाई दूर के लिए थ्रू फिटिंग रिन्यूअल (टीएफआर) कार्य।	रु. 1,41,62,524/-
4	**केएसआर बेंगलूरु:** बेंगलूरु में ट्रेपज़ोडल शीट प्रावधान से टाईप-4 और टाईप-2 क्वार्टरों (क्वार्टर नं. 178, 194, 196, 197, 199, 201, 202, 203, 204, 207, 209, 210 और 242 ब्लॉक्स) पर छत लीकेज का मरम्मत करना। रखरखाव की अवधि - 6 महिने या एक मानसून अवधि में जो बाद में आएगा।	रु. 82,01,605/-
5	**बेंगलूरु - मैसूरु विभाग: उप कार्य-1:** किमी. 43/600-65/390, 91/760-93/570 और 99/650-101/200 (डाऊन लाईन) और 43/600-45/210, 54/610-55/000 (अप लाईन) से 27.15 किमी. लंबाई दूर के लिए थ्रू फिटिंग रिन्यूअल (टीएफआर) कार्य। **उप कार्य-2: बेंगलूरु - मैसूरु विभाग:** नायंडहल्ली, केंगेरी और हेज्जाला यार्डों पर मौजूदा 52 केजी. कर्व्ड स्विच और सीएमएस क्रॉसिंग को 60 केजी. कर्व्ड स्विच से थ्रू टर्नाऊट रिन्यूअल (टीटीआर) कार्य - कुल 10 सेट (8.5 में 1) **उप कार्य-3: बेंगलूरु - मैसूरु विभाग:** रामनगरम, चन्नपट्टना, मद्दूर और मांड्या यार्डों पर मौजूदा 52 केजी. कर्व्ड स्विच और सीएमएस क्रॉसिंग को 60 केजी. कर्व्ड स्विच से सीएमएस क्रॉसिंग थ्रू टर्नाऊट रिन्यूअल (टीटीआर) कार्य - कुल 09 सेट (12 में 1)	रु. 91,63,857/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 24.09.2025, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/434/AAF/PRB/SWR/2025-26 वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / बेंगलूरु

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

साइबर अपराधियों ने पूर्व विधायक को 31 लाख रुपये का लगाया चूना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बीदर जिले के औराद विधानसभा क्षेत्र के एक पूर्व विधायक को डिजिटल गिरफ्तारी के डर से जालसाज़ों को 31 लाख रुपये ट्रांसफर करके ठगा गया है। उन्होंने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर, एक फर्जी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कोर्ट बनाकर और बहस-प्रतिवाद का नाटक करके पैसे वसूले।

शिकायत में पूर्व विधायक ने बताया कि 12 अगस्त की शाम 6 बजे एक व्यक्ति ने उन्हें फोन करके कहा कि वह सीबीआई अधिकारी है और धन शोधन में शामिल है। सबूत के तौर पर, जब जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल के घर पर छापा मारा गया, तो उनके नाम के बैंक खाते और डेबिट कार्ड मिले और मुंबई में मामला दर्ज किया गया। शुरुआत में, यह संदेह था कि यह एक धोखाधड़ी है, लेकिन वह उन्हें यह विश्वास दिलाने में कामयाब रहा कि वह एक जाँच अधिकारी है। काफी बातचीत के बाद, जालसाज़ ने पूर्व विधायक की जीवनी और संपत्ति का विवरण प्राप्त किया और कहा कि वह कॉल किसी अन्य वरिष्ठ अधिकारी को ट्रांसफर कर देगा।

फिर नीरज कुमार नाम के एक व्यक्ति ने बात की और खुद को डीसीपी बताया। पूर्व विधायक ने मामले की जाँच से छूट का अनुरोध किया। तब अधिकारी ने कहा कि आपकी उम्र और पृष्ठभूमि को देखते हुए, वह एक वर्चुअल जाँच करेंगे और आपको डिजिटल हिरासत में रखेंगे। पूर्व विधायक को व्हाट्सएप कॉल के ज़रिए निगरानी में रखा गया और चेतावनी दी गई कि यह एक बेहद संवेदनशील मामला है और किसी को न बताएँ।

इसके अलावा, वीडियो कॉल में, जालसाज़ों ने पुलिस थाने जैसे दिखने वाले सेटअप में अपने पहचान पत्र, गिरफ्तारी वारंट और दर्ज मामले की एक प्रति दिखाई। अगले दिन दोपहर लगभग 1 बजे, जालसाज़ों ने वीडियो कॉल के ज़रिए पूर्व विधायक को जज के सामने पेश किया और पुलिस व आरोपियों की दलीलें सुनी गईं। बाद में, जज ने आदेश दिया कि आप एक हलफनामा लिखें कि आपने धोखाधड़ी नहीं की है, और आरोपी पूर्व विधायक ने निर्देशानुसार पुलिस अधिकारियों द्वारा बताए गए बैंक खाते में आरटीजीएस के ज़रिए 10.99 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

गोहत्या के विरोध में प्रदर्शन, 'भड़काऊ भाषण' देने के आरोप में मामला दर्ज

बंटवाल। कर्नाटक के बंटवाल तालुक के पेर्ने गांव में गोहत्या की घटना के विरोध में आयोजित प्रदर्शन के दौरान कथित भड़काऊ भाषण देने और सांप्रदायिक वैमनस्य को बढ़ावा देने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ पुलिस ने सोमवार को मामला दर्ज किया। पुलिस की विज्ञप्ति के अनुसार, घटना छह सितंबर की है। पेर्ने के कडंबु कार्ला रामद्वार के पास गो माता संरक्षण चट्टवली पेर्ने' संगठन के तत्वावधान में गोहत्या की निंदा करते हुए एक विशाल प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। यह प्रदर्शन सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक चला।

पुलिस द्वारा स्वयं दर्ज किए गए मामले में आरोप है कि प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए गणराज भट केदिला नामक व्यक्ति ने जानबूझकर विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच नफरत और दुश्मनी की भावना को भड़काने के इरादे से एक उत्तेजक भाषण दिया, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर समूहों और समुदायों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देना था। इस संबंध में उप्पिनंगडी पुलिस थाने में गणराज भट केदिला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 353 (2) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कहा है कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बैठक

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल की बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जनहित के मुद्दों को सदन के पटल पर अधिक से अधिक उठाने का आह्वान किया। साथ ही सोलहवीं विधानसभा के चतुर्थ सत्र की कार्यवाही के संबंध में भी विचार-विमर्श कर प्रदेश की जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

दूसरे लड़के से बात करने पर प्रेमी ने की युवती की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू जिले के गुढ़ा गौड़जी थाना क्षेत्र में एक युवक के युवती के दूसरे लड़के से बात करने पर उसकी हत्या करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवती की उसके प्रेमी ने चुन्नी से गला घोंटकर हत्या कर दी। दूसरे युवक से बातचीत करने को लेकर प्रेमी नाराज चल रहा था। प्रेम प्रसंग से जुड़े हत्या के इस मामले में परिजनों का मंगलवार से गुढ़ागौड़जी अस्पताल में धरना जारी है। आरोपी की गिरफ्तारी तक परिजन शव लेने को तैयार नहीं हैं। परिवार का साफ कहना है कि जब तक आरोपी सलाखों के पीछे नहीं जायेगा, तब तक वे अपनी पुत्री का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे।

थानाधिकारी राम मनोहर ठोलिया ने मंगलवार को बताया कि घटना सात सितम्बर की आधी रात की है। खरबासो की ढाणी निवासी बंटी मेघवाल ने कानिका की ढाणी की रहने वाली टीना मेघवाल (19) को फोन करके घर से बाहर बुलाया।

घर से करीब 150 मीटर दूर पड़ोसी कमलेश ओला के खेत में दोनों मिले। वहां आरोपी ने उसे दूसरे युवक से बातचीत बंद करने के लिए समझाया। इसी दौरान कहासुनी बढ़ गयी। गुस्से में आकर बंटी ने उसकी चुन्नी से गला दबाकर हत्या कर दी और फरार हो गया। सुबह उसका शव खेत में मिला।

उन्होंने बताया कि आरोपी बंटी को पकड़ लिया गया है। उससे पूछताछ में सामने आया कि टीना की बंटी मेघवाल से तीन-चार वर्ष से दोस्ती थी। इस बीच, टीना की बड़ी बहन ने दोनों की शादी की बात भी चलायी, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ पाई। करीब छह महीने पहले बंटी पढ़ाई के लिए जयपुर चला गया। इस दौरान टीना का किसी दूसरे युवक से संपर्क हो गया और वह बंटी को नजरअंदाज करने लगी। बंटी जब वापस गांव आया तो उसे पता चला कि टीना किसी और से बात कर रही है, जिससे वह नाराज हो गया और इस वारदात को अंजाम दिया।

राजस्थान में जनवरी 2024 से अब तक 42 नयी अदालत स्थापित की गईं : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

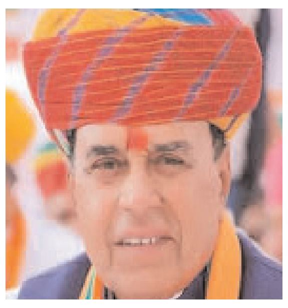

जयपुर। राजस्थान में जनवरी 2024 से अब तक 42 नयी अदालत स्थापित की गई हैं। सरकार की ओर से मंगलवार को विधानसभा में यह जानकारी दी गई। विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने विधानसभा में कहा कि उच्च न्यायालय एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के आधार पर राज्य में नयी अदालत स्थापित की जाती हैं। उन्होंने सदन को बताया कि वर्ष 2024 से अब तक राज्य में 42 नवीन अदालत स्थापित की गई हैं। मंत्री प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि जिला अदालत की दूरी व मुकदमों की संख्या को देखते हुए नवलगढ़ में अपर जिला अदालत स्थापित करने पर गंभीरता से विचार किया जायेगा।

इससे पहले विधायक के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में मंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र नवलगढ में अपर जिला अदालत की स्थापना का मामला राजस्थान उच्च न्यायालय की कमेटी द्वारा लंबित प्रकरणों की संख्या को देखते हुए 25 जुलाई 2023 को अस्वीकार कर दिया गया है।

राजस्थान विधानसभा : प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी, कार्यवाही स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी और हंगामे के कारण कार्यवाही पहले लगभग आधे घंटे के लिए, फिर दो बजे तक स्थगित कर दी गई। प्रश्नकाल में खानपुर विधानसभा क्षेत्र से जुड़े एक प्रश्न के जवाब के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पूरक प्रश्न पूछना चाहा लेकिन विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अनुमति नहीं दी। इस पर कांग्रेस विधायकों ने नारेबाजी शुरू कर दी और वे अपनी सीट से उठकर आसन के निकट आ गए।

नारेबाजी और हंगामे के बीच अध्यक्ष देवनानी ने कार्यवाही को 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। सदन जब पुनः बैठा, तब भी कांग्रेस विधायकों ने नारेबाजी जारी रखी। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने स्थगन प्रस्तावों पर व्यवस्था दी और कार्यवाही दो बजे के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले कांग्रेस विधायकों ने पंचायती राज और स्थानीय निकाय चुनाव में देरी के खिलाफ विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष जूली के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने विधायक आवास से विधानसभा तक पैदल मार्च भी किया। विधानसभा के प्रवेश द्वार के बाहर इकट्ठा होकर कांग्रेस विधायकों ने नारेबाजी की। जूली ने कहा कि सरकार हार के डर से निकाय और पंचायत चुनाव करवाना नहीं चाहती। वहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को राजस्थान विधानसभा में भाजपा विधायक दल की बैठक को संबोधित किया।

आरएफबीडीपी के अंतर्गत कृषिवानिकी और आजीविका संवर्द्धन पर 90 किसानों को प्रशिक्षण

जयपुर। राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना (आरएफबीडीपी) के अंतर्गत पिपलेश्वर ग्रीन फेड फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, तुंगा, बस्सी, जयपुर में कृषिवानिकी (एग्रोफारेस्ट्री) एवं आजीविका संवर्द्धन पर मंगलवार को एक क्षमता निर्माण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में परियोजना क्षेत्र से जुड़े लगभग 90 किसानों ने सक्रिय भागीदारी की। इस अवसर पर केतन कुमार, डीएफओ, जयपुर डिवीजनल मैनेजमेंट यूनिट (डीएमयू) ने कहा कि आर.एफ.बी.डी.पी. का मुख्य उद्देश्य वनों का संरक्षण करते हुए कृषिवानिकी के माध्यम से किसानों को आजीविका संवर्द्धन के नए अवसर उपलब्ध कराना है। कृषिवानिकी न केवल किसानों की आय बढ़ाने में मददगार सिद्ध होगी बल्कि यह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता भी विकसित करेगी। साथ ही बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण एवं वनीकरण (एफ्फोरेस्ट्रेशन) को प्रोत्साहन मिलेगा जिससे पर्यावरणीय संतुलन कायम रखने में मदद मिलेगी।

प्रशिक्षण के दौरान हेमन्त कुमार दीक्षित, आजीविका विशेषज्ञ, पीएमसी, आरएफबीडीपी ने परियोजना के उद्देश्यों की जानकारी दी और समझाया कि कृषिवानिकी अपनाकर किसान अतिरिक्त आय का स्रोत कैसे विकसित कर सकते हैं। ओम प्रकाश गुप्ता, कृषि अधिकारी ने पौधारोपण तकनीक, रखरखाव एवं पौधों की वृद्धि संबंधी पहलुओं पर विस्तार से बताया। नमो नारायण मीणा, रेंजर, बस्सी रेंज ने आरएफबीडीपी की विभिन्न गतिविधियों और कृषिवानिकी के महत्व पर प्रकाश डाला।

मां वाउचर योजना से गर्भवती महिलाओं को निजी केन्द्रों पर भी निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा : प्रेमचंद बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में संचालित मां वाउचर योजना के तहत दूसरी एवं तीसरी तिमाही की गर्भवती माताओं को राजकीय सोनोग्राफी जाँच उपलब्ध नहीं होने पर वाउचर जारी किया जाता है। इस क्यूआर कोड जनित वाउचर के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा दी जाती है। योजना के तहत प्रदेश के 1 हजार 363 निजी सोनोग्राफी केन्द्रों को अधिकृत किया गया है। राज्य सरकार द्वारा इन निजी केंद्रों को सीधे बैंक खाते में भुगतान किया जाता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी सुविधा में विस्तार के उद्देश्य से बजट घोषणा 2024 के तहत 17 सितम्बर, 2024 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में मां वाउचर योजना का शुभारम्भ किया गया। उन्होंने बताया कि योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को दूसरी व तीसरी तिमाही में निःशुल्क सोनोग्राफी के लिए वाउचर दिये किये जाते हैं, जिनकी वैद्यता जारी दिनांक के 30 दिवस तक रहती है। किसी कारणवश इस अवधि में वाउचर का उपयोग नहीं कर पाने की स्थिति में महिला द्वारा चिकित्सा संस्थान जाकर वैद्यता अवधि को आगामी 30 दिन तक बढ़वाया जा सकता है। डॉ. प्रेमचंद बैरवा प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का चिकित्सा एवं स्वस्थ्य मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। डॉ. बैरवा ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सोजत में आगामी समय में सोनोग्राफी एवं एमआरआई मशीनों की जरुरत होने पर विभाग द्वारा इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

इससे पहले विधायक श्रीमती शोभा चौहान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सोजत पाली में मां वाउचर योजना के तहत 17 सितम्बर, 2024 से 04 सितम्बर, 2025 तक 5 अधिकृत निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर 583 सोनोग्राफी की गई है। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय, सोजत में निःशुल्क जांच योजना के तहत 1 हजार 804 गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी की गई।

पुराने संस्थानों का नाम बदलना उचित परंपरा नहीं : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर में राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) की स्थापना के राज्य सरकार के फैसले पर कटाक्ष करते हुए मंगलवार को कहा कि पुराने संस्थानों का नाम बदलना उचित परंपरा नहीं है। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा कि राज्य सरकार ने जयपुर में 'एम्स' की तर्ज पर राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) अस्पताल बनाने का फैसला लिया परन्तु इस घोषणा के तहत कोई नया संस्थान बनाने की बजाय पहले से बनी राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (आरयूएचएस) और स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट का ही अधिग्रहण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले से स्थापित दो संस्थानों की व्यवस्था बिगड़ेगी एवं इसका प्रतिकूल असर चिकित्सकों एवं मरीजों पर पड़ेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार आरयूएचएस पहले से एक स्वायत्त विश्वविद्यालय है जिसका कोरोना के दौरान बेहतरीन उपचार के लिए पूरी दुनिया में नाम प्रचारित हुआ। उन्होंने लिखा, आरयूएचएस को रिम्स बनाने से यहां के मेडिकल सीटें भी खत्म हो जाएंगी। एक पुराने संस्थान को खत्म करने की बजाय भाजपा सरकार को एक नए संस्थान रिम्स का निर्माण करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि अगर रिम्स के रूप में एक नए संस्थान का निर्माण होता तो जनता को अधिक लाभ मिलता एवं भजनलाल सरकार के लिए भी एक नयी उपलब्धि दर्ज होती। गहलोत के अनुसार, भाजपा के लोग दावा करते थे कि 'डबल इंजन' सरकार बनने के बाद राज्य को केंद्र से मिलने वाले कोष की कोई कमी नहीं रहेगी। ऐसे में राज्य के पास अगर कोष नहीं है तो रिम्स के लिए विशेष 'ग्रांट' (अनुदान) लाकर एक नये संस्थान का निर्माण करें। पहले से बने संस्थानों का नाम बदलना उचित परंपरा नहीं है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान, जयपुर विधेयक, 2025 सोमवार को राज्य विधानसभा में पारित किया गया।

2 से 15 अक्टूबर तक संचालित होगा सहकारिता सदस्यता अभियान : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक राहत एवं बचाव कार्यों के माध्यम से राज्य सरकार आमजन को हरसंभव मदद सुनिश्चित कर रही है। नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बुनियादी सेवाओं और सुविधाओं को तेजी से सुचारू किया जा रहा है। उन्होंने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों, नहरों, एनिकट तथा भवनों के मरम्मत के प्रस्तावों को तीन दिन में स्वीकृत करने के विशेष रूप से निर्देश दिए। साथ ही, इन स्वीकृत प्रस्तावों के कार्य 23 सितंबर तक प्रारंभ करने और क्षतिग्रस्त पक्के और कच्चे मकान की रिपोर्ट 2 दिन में प्राप्त कर तत्काल स्वीकृति जारी करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों से क्षतिग्रस्त सड़कों और भवनों के प्रस्ताव शीघ्र प्रेषित भी करवाए जाएं।

शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में जिला प्रभारी मंत्रीगण एवं जिला प्रभारी सचिवगण के साथ अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में 5 से 7 सितम्बर तक दौरा कर वापस आए मंत्रिगणों द्वारा धरातल की स्थिति और राहत तथा बचाव कार्यों पर दिए गए विस्तृत फीडबैक के आधार पर मुख्यमंत्री ने दिशा-निर्देश जारी किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी संवेदनशीलता के साथ जान-माल के नुकसान पर तत्परता के साथ सहायता उपलब्ध कराएं। चिकित्सा सेवाएं, खाद्य सामग्री की उपलब्धता सहित आवश्यक सेवाओं को निर्बाध और नियमित रखने और पुनर्वास के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने निचले इलाकों और जल भराव वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभारी मंत्री व सचिव जिला कलेक्टर्स के साथ निरंतर संपर्क स्थापित कर बांधों की नियमित मॉनिटरिंग भी करें तथा समय पर गेट खुलवाकर पानी की निकासी सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिवृष्टि से हुए फसल नुकसान पर राज्य सरकार किसानों के साथ दृढ़ता के साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को 33 प्रतिशत से अधिक फसल खराबे की स्थिति में बिनी किसी देरी के आर्थिक सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, जिन स्थानों पर ऐप के माध्यम से गिरदावरी करने में समस्या आ रही है, वहां लोकेशन डिसेबल की जाए। मुख्यमंत्री ने कृषि, राजस्व और सहकारिता विभाग के मंत्रीगण और सचिवों (6 सदस्यीय) की कमेटी बनाने का सुझाव भी दिया, जो किसानों को फसल खराबे की उचित व समयबद्ध सहायता पर विशेष रूप से कार्य करें। साथ ही, यह कमेटी एडवाइजरी बनाने के साथ ही बीमा कंपनी तथा किसानों के बीच समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऐसा तंत्र विकसित किया जाए, जिससे पानी का सभी क्षेत्रों में समान रूप से वितरण हो। ट्यूबवेल के माध्यम से पानी को रिचार्ज करने का सिस्टम भी विकसित हो। उन्होंने आवश्यकतानुसार बांधों की ऊंचाई बढ़ाने और एनीकट के निर्माण पर विशेष जोर दिया।

बड़ा तख्ता जैन मंदिर में सामूहिक क्षमावाणी पर्व मनाया

जयपुर। आचार्य वर्धमानसागर संघ सानिध्य में क्षमावाणी पर्व पर पुण्यार्जक परिवारों द्वारा श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा हुई। धर्म सभा में आचार्य वर्धमानसागर ने बताया कि मैं सबको क्षमा करता हूं, जिसने क्रोध का त्याग किया है वही यह कह सकता है। सभी से क्षमा मांगना सरल है किंतु क्षमा करना कठिन है, क्योंकि मानी व्यक्ति ऐसा नहीं कर सकता है। सभी प्राणियों के प्रति मैत्री भाव रहे सबको अपने समान समझना मैत्री भाव है। धर्म छोड़ने, क्षमा छोड़ने से वाद विवाद कोर्ट कचहरी होते हैं। सभी साधु क्षमा भाव धारण करते हैं।

उन्होंने इस घटना का जिक्र किया कि प्रथमाचार्य शांतिसागर महाराज पर राजाखेड़ा में 500 व्यक्तियों ने हमला किया। पूर्वाभास कारण संघ कमरे के भीतर होने से सुरक्षित रहा किंतु समाजजनों को चोट आई। पुलिस आने पर हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया, किंतु आचार्य शांतिसागर ने उसे क्षमा करके पुलिस को यही कहा कि इसे छोड़ दो नहीं तो मैं आहार ग्रहण नहीं करूंगा। यह आचार्य का क्षमा, समता भाव का उत्कृष्ट उदाहरण हैं, यह मंगल देशना क्षमावाणी पर्व के अवसर पर आचार्य वर्धमानसागर महाराज ने प्रगट की।

राजेश पंचोलिया के मुताबिक आचार्य ने प्रवचन में आगे बताया कि क्षमा वास्तव में किन से मांगना चाहिए। सबसे पहले भगवान से क्षमा याचना करना चाहिए कि हम आपकी वाणी का, आपके शास्त्रों का पालन नहीं कर रहे हैं, तीर्थ क्षेत्रों, मंदिरों, जिनवाणी से क्षमा मांगना चाहिए कि हम आपकी रक्षा नहीं कर रहे है। आचार्य सहित सभी साधुओं से क्षमा याचना करना चाहिए। इसके बाद वास्तव में जिससे बोलचाल बैर हो उनसे फिर आपस में एक दूसरे से क्षमा मांगना चाहिए तभी यह पर्व सार्थक होगा। क्षमा विश्वशांति का संदेश है राष्ट्र, समाज, परिवार, क्षमा के अभाव में बिखर जाते हैंक्योंकि कर्मों के उदय से परिस्थितियों ऐसी उत्पन्न होती है कि आप एक दूसरे से बैर रखते हैं। प्राचीन मुनियों सुकुमाल मुनि ,सुकौशल मुनि और पांच पांडव मुनिराजो की कहानी के माध्यम से बताया कि पूर्व जन्म के बैरी ने इन पर उपसर्ग किया किंतु इन्होंने समता धारण कर उपसर्ग पर क्षमाभाव रखा। बैर से सुख शांति नहीं मिलती।

भारी बारिश की गतिविधियों से राहत मिलने की संभावना

जयपुर। राजस्थान में लगातार जारी भारी बारिश की गतिविधियों से अब कुछ कमी आने व लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य में भारी बारिश की गतिविधियों से मंगलवार से ही राहत मिलने की पूरी संभावना है। इसके अनुसार पूर्वी राजस्थान के कोटा, भरतपुर, जयपुर, अजमेर, उदयपुर संभाग के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह बारिश की गतिविधियों में गिरावट जारी रहने व केवल छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। इसी तरह पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में भी आगामी दिनों में बारिश की गतिविधियों में तेजी से गिरावट होने व 11 सितंबर से अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है।

छात्रा ने आत्महत्या की

जयपुर। जयपुर स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के छात्रावास में एक छात्रा ने कथित तौर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (बगरू) हेमेंद्र शर्मा ने बताया कि इंजीनियरिंग के दूसरे वर्ष में पढ़ रही छात्रा ने कल रात अपने छात्रावास के कमरे में फंदा लगा लिया। उन्होंने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए एसएमएस अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि लड़की बिहार की रहने वाली थी और उसके परिजनों को सूचित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम किया जाएगा।

उप्र : अलग-अलग अभ्यर्थियों के नाम पर परीक्षा देने वाला 'सॉल्वर' गिरफ्तार

शाहजहांपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में 'पीईटी' (प्रारंभिक पात्रता परीक्षा) में अलगअलग अभ्यर्थियों के नाम पर हरदोई और शाहजहांपुर में परीक्षा देने वाले बिहार निवासी एक 'सॉल्वर' (प्रश्नपत्र हल करने वाले) को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि बिहार के नवादा जिले के रहने वाले विवेक मंडल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह रविवार को शहर के ही एक केंद्र पर एक व्यक्ति के स्थान पर पीईटी की परीक्षा दे रहा था। एसपी के अनुसार, मंडल पर संदेह होने पर कॉलेज प्रशासन ने उसे स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

द्विवेदी के मुताबिक, मंडल ने पूछताछ में पुलिस को बताया है कि वह बिहार के नवादा जिले का रहने वाला है। वह स्नातक है। उसकी बहन की शादी इसी साल होने वाली है, जिसके लिए उसे धन की जरूरत थी। उसने आजमगढ़ निवासी श्याम कृष्ण से 'सॉल्वर' बनकर उसके स्थान पर पीईटी परीक्षा देने की पेशकश करते हुए उसे परीक्षा पास कराने की गारंटी ली थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बात पक्की होने पर श्याम कृष्ण ने परीक्षा का फॉर्म भरते समय अपनी फोटो की जगह मंडल की तस्वीर लगा दी। उन्होंने बताया कि इस बीच श्याम ने उसे नीतीश कुमार नामक एक अन्य व्यक्ति से मिलवाया। द्विवेदी के अनुसार, मंडल ने उससे भी उसके स्थान पर परीक्षा देने का सौदा कर लिया। दोनों ही सौदे 20-20 हजार रुपए पर तय हुए। शनिवार को मंडल श्याम कृष्ण की जगह हरदोई में परीक्षा में शामिल हुआ। उसके बाद वह नीतीश के स्थान पर शाहजहांपुर के परीक्षा केंद्र पर भी रविवार को परीक्षा में शामिल हुआ। द्विवेदी ने बताया कि दोनों जगह बायोमेट्रिक (अंगूठे की छाप) एक ही होने पर शक हुआ और परीक्षा समाप्त होने पर कॉलेज प्रशासन ने आरोपी विवेक मंडल को पुलिस के हवाले कर दिया।

भारत अपनी मेहनत के बल पर समृद्ध बना है: आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बस्ती/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि भारत अपनी मेहनत के बल पर समृद्ध बना है, जबकि विदेशी देश भारत और दुनिया को लूटकर धन-संपत्ति बटोरते रहे।

आदित्यनाथ ने कहा, (पहले) एक प्रवृत्ति पनपी थी और गुलामी की मानसिकता ने देश को इस तरह जकड़ लिया था कि हर भारतीय को लगने लगा था कि एक भारतीय को नीची नजर से देखा जाना चाहिए, जबकि एक विदेशी को संपन्नता की नजर से देखा जाना चाहिए। आपने देखा होगा कि पिछले 11 वर्षों में इस बुरी प्रवृत्ति पर अंकुश लगा है।

आदित्यनाथ ने बस्ती जिले में मंगलवार को सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बसहवा का भूमि पूजन, शिलान्यास, पौधरोपण व पुस्तक का विमोचन भी किया।

एक बयान के मुताबिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन प्रचारक नाना जी देशमुख के नेतृत्व में सरस्वती शिशु मंदिर की पहली शाखा गोरखपुर में स्थापित की गई थी।

आदित्यनाथ सरस्वती शिशु मंदिर की आधारशिला रखने और उसका भूमिपूजन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। आदित्यनाथ ने कहा, जो भारतीय है, वही सर्वश्रेष्ठ है, क्योंकि विदेशियों ने जो कुछ भी अर्जित किया है, वह भारत और विश्व को लूटकर ही किया है। भारत अपनी मेहनत के बल पर समृद्ध बना। ऐसा नहीं था कि भारत समृद्ध देश नहीं था। चार सौ साल पहले, भारत दुनिया की नंबर एक अर्थव्यवस्था हुआ करता था। उन्होंने कहा कि विश्व अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान 25 प्रतिशत था, लेकिन दुर्भाग्य से, जब यह देश 1947 में आजाद हुआ, तो भारत का योगदान केवल दो प्रतिशत रह गया। उन्होंने कहा, भारत को लूटा गया, भारत को नोचा गया, भारत की विरासत के प्रतीकों को तोड़ा गया, अपमानित किया गया। भारत और भारतीयों के मन में यह भावना पैदा कर दी गई कि जो भी भारतीय है, वह अच्छा नहीं होगा। परिणामस्वरूप, हमने हिंदी और संस्कृत के बजाय अंग्रेजी को भारतीयता का प्रतीक बनाना शुरू कर दिया। भारत के महापुरुषों के बजाय, हमने भारत में दुनिया के उन लोगों को आदर्श मानना शुरू कर दिया, जो अपने देश में तो नायक हो सकते हैं, लेकिन भारत के नायक नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि भारत में अपनी परंपराओं और अपने प्रतीकों से दूर होने का दुष्परिणाम यह हुआ कि धीरे-धीरे भारत के नागरिकों को लगने लगा कि देश अब कभी आजाद नहीं होगा। उन्होंने कहा कि परिणाम यह हुआ कि जिस भारत के सामने दुनिया की कोई ताकत टिक नहीं सकती थी, वह भारत गुलाम हो गया। उन्होंने कहा कि भारत में किसी चीज की कमी नहीं थी, न तो ताकत की, न धन की, न ही बुद्धि की। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के समर्थ, आत्मनिर्भर व शक्तिशाली होने की शुरुआत शिक्षा से होती है। उन्होंने कहा कि दुनिया में समृद्धि की चर्चा होती है तो पहला पैरामीटर शिक्षा, फिर स्वास्थ्य, उसके बाद कृषि-जल संसाधन, तब कौशल विकास व रोजगार होता है। उन्होंने कहा कि फिर पर्यावरण को ध्यान में रखकर विकास की बात होती है। उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम सुयोग्य नागरिकों को गढ़ने, तलाशने और तराशने का महत्वपूर्ण मंच शुरू करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से भारत के सुयोग्य नागरिक विकसित करने का मंच विकसित हो रहा है।

आदित्यनाथ ने कहा कि आज का समय प्रौद्योगिकी का है, इसे हम अपने अनुरूप ढाल सकें, समाज व देश के अनुरूप बना सकें। उन्होंने कहा कि जब दुनिया कोविड काल में पस्त थी, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कोरोना प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत कर रहा था। उन्होंने कहा कि उसी समय भारत ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर व सुदूर दक्षिण में जाने पर विद्या भारती द्वारा संचालित कोई न कोई सरस्वती शिशु मंदिर व विद्या मंदिर मिलता है। उन्होंने कहा कि वहां के अध्ययनरत छात्र राष्ट्रीयता के भाव से ओतप्रोत होते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जो कार्य सरकारों को करना चाहिए, उस दायित्व को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने स्वीकारा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत सभी के जीवन का ध्येय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित बस्ती, हर गांव-कस्बे को विकसित बनने की दिशा में प्रयास प्रारंभ करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जो प्रदेश बीमारू व विकास की बाधा कहा जाता था, वही राज्य आठ वर्ष में भारत के विकास का 'ग्रोथ इंजन' बन गया है।

उम्मीद है कि राधाकृष्णन सत्तारूढ़ दल के दबाव के सामने नहीं झुकेंगे : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने पर सी.पी. राधाकृष्णन को बधाई दी और उम्मीद जताई कि वह संसदीय परंपराओं के सर्वोच्च मूल्यों को बनाए रखेंगे, विपक्ष के लिए समान स्थान और सम्मान सुनिश्चित करेंगे तथा सत्तारूढ़ दल के दबाव के सामने नहीं झुकेंगे। उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को हुए चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन विजयी घोषित किए गए। राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 तथा विपक्ष के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट हासिल हुए।

खरगे ने पोस्ट किया, उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने पर सी.पी. राधाकृष्णन को शुभकामनाएं। हम विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के प्रति उनके उत्साह और सिद्धांत के साथ किए गए संघर्ष के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा, यह एक चुनाव से कहीं बढ़कर था। यह विचारधारा की लड़ाई थी, जिसने इस बात की पुष्टि की है कि हमारे संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सत्तावादी प्रवृत्तियों वाली सरकारों पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति संसदीय परंपराओं के सर्वोच्च मूल्यों को बनाए रखेंगे, विपक्ष के लिए समान स्थान और सम्मान सुनिश्चित करेंगे और सत्ताधारी दल के दबाव में नहीं झुकेंगे। वरीयता क्रम में दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद, उपराष्ट्रपति (के पद) को लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में स्वतंत्रता, निष्पक्षता और शक्ति को प्रतिबिंबित करने के लिए पुनर्जीवित किया जाना चाहिए। खरगे ने कहा, हमें याद रखना चाहिए कि यह चुनाव क्यों आवश्यक था। जगदीप धनखड़ ने मानसून सत्र की शुरुआत में अचानक पद से इस्तीफा दे दिया था।

परिणाम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं, वैचारिक संघर्ष जारी रहेगा : सुदर्शन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार रहे बी. सुदर्शन रेड्डी ने अपनी हार के बाद कहा कि वह इस परिणाम को विनम्रतापूर्व स्वीकार करते हैं, लेकिन उनका वैचारिक संघर्ष आगे और भी जोरदार ढंग से जारी रहेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज करने वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन को शुभकामनाएं दीं और समर्थन के लिए विपक्ष का आभार व्यक्त किया। रेड्डी ने एक बयान में कहा, आज, सांसदों ने भारत के उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में अपना फैसला सुना दिया है। मैं अपने महान गणतंत्र की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में अटूट विश्वास के साथ इस परिणाम को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं। उन्होंने कहा, यह यात्रा मेरे लिए एक बहुत सम्मान की बात रही है, जिसने मुझे उन मूल्यों के लिए खड़े होने का अवसर दिया है, जिन्होंने मेरे जीवन का मार्गदर्शन किया है। वो मूल्य संवैधानिक नैतिकता, न्याय और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा से जुड़े हैं। रेड्डी ने कहा

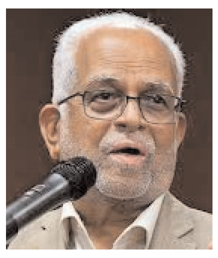

कि परिणाम उनके पक्ष में नहीं है, फिर भी जिस व्यापक उद्देश्य को हम सामूहिक रूप से आगे बढ़ाना चाहते हैं, वह कम नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि वैचारिक संघर्ष और भी ज़ोरदार तरीके से जारी रहेगा। रेड्डी ने कहा, मैं विपक्षी दलों के नेताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे अपना संयुक्त उम्मीदवार बनाया। हमारा लोकतंत्र केवल जीत से ही नहीं, बल्कि संवाद, असहमति और सहभागिता की भावना से भी मजबूत होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, एक नागरिक के रूप में, मैं समानता, बंधुत्व और स्वतंत्रता के उन आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हूं, जो हमें एक सूत्र में बांधते हैं। कामना है कि हमारा संविधान हमारे राष्ट्रीय जीवन का मार्गदर्शक बना रहे। उन्होंने कहा, मैं नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन को उनके कार्यकाल की शुरुआत पर शुभकामनाएं देता हूं।

उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को हुए चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन ने जीत हासिल की। राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 तथा विपक्ष के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट हासिल हुए।

उप्र : अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने छात्र-छात्राओं से साझा किए अंतरिक्ष से मिले सबक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। एक्जिओम4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर पहुंचे पहले भारतीय शुभांशु शुक्ला ने मंगलवार को छात्रछात्राओं से अपने मिशन से मिले सबक साझा करते हुए उन्हें अपने जीवन में उतारने की हिदायत दी और उनसे 'निडर, महत्वाकांक्षी और अजेय भारत' के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। शुक्ला को डॉक्टर ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के दीक्षांत समारोह में डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए शुक्ला ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा के दौरान सामने आयी चुनौतियों का जिक्र करते हुए छात्रछात्राओं को अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए कई हिदायतें, गुरुमंत्र और सात सिद्धांत दिए।

उन्होंने छात्रछात्राओं से कहा, आप भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण यात्रा के सबसे रोमांचक दौर में स्नातक बने हैं। इसरो के चंद्रयान-3 मिशन के जरिए भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बन गया है। वर्ष 2035 तक हमारा लक्ष्य एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाना और 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर पहुंचाना है। यही वह भारत है जो नवाचार का नेतृत्व कर रहा है और भविष्य को आकार दे रहा है। यही वह भारत है जो आपका इंतजार कर रहा है। आप उम्मीद लगाने वाले नहीं हैं... आप इस यात्रा में भागीदार हैं। उन्होंने अपनी अंतरिक्ष यात्रा के दौरान पेश आयी दिक्कतों को डिग्री धारण करने वाले छात्रछात्राओं की भविष्य की चुनौतियों से जोड़ते हुए कहा, अंतरिक्ष ओरबिट (कक्षा) में जीवन मुश्किल था।

जैसे ही आप सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में प्रवेश करते हैं, आपका शरीर प्रतिकर्षित होने लगता है, क्योंकि आप उस वातावरण में कभी रहे ही नहीं। सिर सूज जाता है क्योंकि रक्त आपके सिर की ओर दौड़ता है। आपके हृदय की गति धीमी हो जाती है क्योंकि उसे गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध काम नहीं करना पड़ता। आपकी रीढ़ लंबी होने लगती है। इन सब से दर्द, भ्रम, मतली और सिरदर्द होता है, लेकिन विज्ञान आपका इंतज़ार नहीं करता। कुछ भी काम चलता रहना चाहिए। स्नातक होने के बाद आपका भी जीवन बिल्कुल ऐसा ही होगा। शुक्ला ने कहा कि कई बार ऐसा समय भी आएगा, जब आप खुद को तैयार महसूस नहीं करेंगे। आपकी ऊर्जा कम हो जाएगी, प्रेरणा कम हो जाएगी, समय सीमाएं बढ़ जाएंगी, नौकरी के आवेदनों का सकारात्मक नतीजा नहीं निकलेगा।

मैदान पर आक्रामकता के बिना काम नहीं चल सकता : सूर्यकुमार

दुबई/भाषा। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले एशिया कप के मुकाबले में आक्रामकता पर अंकुश नहीं लगायेगी।

भारतीय टीम बुधवार को यूएई के खिलाफ ग्रुप ए का पहला मैच खेलेगी जिसके बाद रविवार को उसका सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। सूर्यकुमार ने टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मैदान पर आक्रामकता हमेशा रहती है। अगर आपको जीतना है तो इसके बिना काम नहीं चल सकता। उनसे पूछा गया था कि पाक के खिलाफ मैच में क्या खिलाड़ी आक्रामकता कम करेंगे। इसी सवाल पर पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने कहा, अगर कोई आक्रामक होना चाहता है तो यह उसका फैसला है। जहां तक मेरी टीम का सवाल है तो मैं कोई दिशा निर्देश किसी को नहीं देता। सूर्यकुमार ने कहा कि अच्छे अभ्यास सत्र के बाद उनकी टीम लय में है। हमने कुछ अच्छे अभ्यास सत्र किए। अच्छा लग रहा है। एशिया कप की सर्वश्रेष्ठ टीमों से खेलना अच्छी चुनौती होगी। कोच लालचंद राजपूत की यूएई टीम भले ही कमजोर मानी जा रही हो लेकिन भारतीय कप्तान ने कहा कि वह मेजबान को हलके में नहीं लेंगे। वे शानदार क्रिकेट खेल रहे हैं और हाल में त्रिकोणीय श्रृंखला में कुछ करीबी मुकाबले खेले हैं। उम्मीद है कि वे एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। यह पूछने पर कि क्या पहले मैच में भारतीय टीम कोई प्रयोग करेगी, सूर्यकुमार ने कहा, जब आप किसी प्रारूप में खेलते हैं तो आपको यह जानना होता है कि तैयारी कितनी अच्छी है। बिना वजह प्रयोग की क्या जरूरत है। अगर हमें नतीजे मिल रहे हैं तो बदलाव क्यो करेंगे।

'परमार्थ के लिए मिलकर काम करने, साझा प्रयासों की जरूरत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी फाउंडेशन की चेयरपर्सन प्रीति अदाणी ने दुनिया भर के परोपकारियों से आह्वान किया है कि वे पारंपरिक दान की सोच से आगे बढ़कर मिलकर काम करें और सामाजिक विकास के लिए साझा प्रयासों को प्राथमिकता दें।

अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी की पत्नी प्रीति अदाणी ने 'एवीपीएन ग्लोबल कांफ्रेंस 2025' में मुख्य भाषण देते हुए कहा कि सामाजिक प्रगति की दिशा में अगली छलांग विभिन्न क्षेत्रों और संस्थाओं के बीच सहयोग पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा, हमें केवल दाता नहीं बल्कि सह-निर्माता बनना होगा। वास्तविक बदलाव तभी संभव है जब हम साझेदार के रूप में संसाधन जुटाएं और अलगाव की दीवारें तोड़ें। अदाणी समूह की परमार्थ इकाई अदाणी फाउंडेशन ने बयान में कहा कि एशिया में टिकाऊ विकास पर केंद्रित सामाजिक

निवेशकों और विकास क्षेत्र के दिग्गजों का यह वार्षिक सम्मेलन इस वर्ष हांगकांग में आयोजित हुआ। इसमें फाउंडेशन, पारिवारिक कार्यालय, कंपनियां और प्रभावी निवेशक शामिल हुए। इस अवसर पर प्रीति अदाणी ने एक वैश्विक सहयोग मंच बनाने का प्रस्ताव रखा जिससे परमार्थ संस्थाएं, गैर-सरकारी संगठन और अन्य साझेदार एक ही मंच पर आकर प्रयासों को जोड़ सकें, अनुभव साझा कर सकें और प्रभाव को कई गुना बढ़ा सकें। उन्होंने कहा, प्रभाव आंकड़ों से नहीं बल्कि उन कहानियों से परिलक्षित होता है जो आशा, बदलाव और सशक्तीकरण की झलक दिखाती हैं।

चुनौतियों का सामना करना पसंद है कोच लालचंद राजपूत को

दुबई/भाषा। लालचंद राजपूत ऐसे कोच हैं जिन्हें कमजोर मानी जाने वाली टीमों की कोचिंग करने की चुनौती हमेशा से पसंद आती रही है। खुद को 'खड़स ' मुंबईकर बताने वाले राजपूत कुछ साल पहले जिम्बाब्वे के कोच रहे और अब एशिया कप में यूएई के कोच हैं जिसे पहले मैच में बुधवार को भारत से खेलना है।

राजपूत ने मंगलवार को यूएई के अभ्यास सत्र से इतर पीटीआई वीडियो से कहा, मैं मुंबई से आया हूं और वह खड़स रवैया तो रहेगा ही। यह कभी भी मेरे भीतर से जायेगा नहीं। उन्होंने कहा, मैं खिलाड़ियों में यह भरना चाहता हूं और सबसे बड़ी बात खुद पर यह विश्वास होना जरूरी है कि आप कर सकते हैं। यही सबसे अहम है क्योंकि टी20 क्रिकेट में आप किसी भी टीम को हरा सकते हैं। राजपूत ने कहा, इसलिए सकारात्मक रवैया होना जरूरी है कि आखिरी गेंद तक, आखिरी रन तक और आखिरी विकेट लेने तक जुझारूपन नहीं छोड़ना है। ' टी20 विश्व कप 2007 विजेता भारतीय टीम के मैनेजर रहे 63 वर्ष के राजपूत को बीसीसीआई द्वारा किसी राष्ट्रीय टीम में कोई भूमिका नहीं दिए जाने का मलाल नहीं है। वह भारत ए के कोच भी रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे चुनौतियां पसंद है। इन छोटी टीमों के साथ काम करके और उनके विकास में मदद करके मुझे अच्छा लगता है। किसी को पता नहीं था कि अफगानिस्तान कैसी टीम है और जब मैं वहां था तब उसे टेस्ट दर्जा मिला। राजपूत ने कहा, इसके बाद मैं जिम्बाब्वे गया जिसने 2022 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। अब मेरे सामने यूएई की चुनौती है क्योंकि वह भी काफी समय बाद एशिया कप खेल रही है। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य उसे टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कराना है जो अगले साल भारत में होने वाला है। मुझे चुनौतियां और इन टीमों के साथ कड़ी मेहनत करना पसंद है। यूएई की टीम में भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ी हैं लेकिन कोच ने कहा कि इसके बावजूद आपसी सद्भाव बना हुआ है हालांकि यह भी एक चुनौती है। उन्होंने कहा, यह एक चुनौती है लेकिन मुझे लगता है कि अच्छा आपसी सद्भाव भी है।ड्रेसिंग रूम का माहौल बहुत अच्छा है और लगता ही नहीं कि हम अलग अलग देशों से है। हमें लगता है कि हम एक ही टीम हैं, यूएई की टीम।

दुबई में रहना और सभी मैच अबुधाबी में खेलना आदर्श नहीं : राशिद खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने मंगलवार को एशिया कप के कार्यक्रम और व्यवस्था की आलोचना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी क्योंकि उनकी टीम दुबई में रहेगी और मैच के दिन अबुधाबी की करीब दो घंटे की यात्रा करेगी। इससे भी बड़ी विडंबना यह थी कि राशिद उसी दिन सुबह यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में शामिल हुए जिस दिन उनकी टीम को शाम को अबुधाबी में हांगकांग से भिड़ना है।

राशिद ने एशिया कप में हिस्सा ले रही टीमों के कप्तानों की अनिवार्य प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, मुझे नहीं लगता कि यह आदर्श है - इसी बात पर हम पहले भी (दूसरे कप्तानों के साथ) चर्चा कर रहे थे।

इस दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष और एशियाई क्रिकेट परिषद के प्रमुख मोहसिन नकवी भी

मौजूद थे। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे अधिक विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा, अबुधाबी में खेलना और तीनों मैचों के लिए दुबई में रहना... यह अलग बात है। लेकिन पेशेवर क्रिकेटर होने के नाते हमें इन चीजों को स्वीकार करना होगा।

अफगानिस्तान के ग्रुप बी के अन्य दो मैच क्रमशः 16 और 18 सितंबर को बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ होंगे। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 170 विकेट लेने वाले राशिद ने यह भी कहा कि पेशेवर होने के नाते उन्हें कार्यक्रम को भूलकर खेल पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

राशिद ने कहा, एक बार जब आप मैदान में उतरते हैं तो आप बाकी सब कुछ भूल जाते हैं। दूसरे देशों में हम अक्सर दो-तीन घंटे की उड़ान भरकर सीधे मैच खेलने पहुंच जाते हैं। मुझे याद है कि एक बार मैं बांग्लादेश से अमेरिका गया था और सीधे मैच खेला था। श्रीलंकाई कप्तान चरित असलंका ने भी कार्यक्रम के बारे में बात की जिससे जिम्बाब्वे के खिलाफ कड़ी शृंखला के बाद उनकी टीम को आराम करने और उबरने का बहुत कम समय मिला है।

असलंका से जब काफी कम समय में इतने सारे मैच खेलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, अभी मुझे बहुत नींद आ रही है। मुझे लगता है कि मुझे कल इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा, नहीं, मेरा मतलब है कि छह और सात सितंबर को जिम्बाब्वे में लगातार दो मैच और फिर सीधे यहां (दुबई) आना काफी मुश्किल है। मुझे लगता है कि हमें कुछ दिन की छुट्टी की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि कोच हमें छुट्टी देंगे। असलंका ने कहा, अपनी फिटनेस का ध्यान रखना जरूरी है और हम सभी जानते हैं कि यहां बहुत गर्मी है। मेरे लिए पहले मैच में तरोताजा रहना और अपना शत प्रतिशत देना बेहद जरूरी है। श्रीलंका अपने अभियान की शुरुआत 13 सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की तिकड़ी में अभी काफी क्रिकेट बची है : जोश हेजलवुड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है कि आगामी एशेज श्रृंखला में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की खतरनाक तेज गेंदबाजी तिकड़ी आखरी बार एक साथ खेलते हुए दिखेगी। उन्होंने कहा कि तीनों तेज गेंदबाजों में अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेल सकते हैं।

इन तीनों तेज गेंदबाजों की उम्र 35 वर्ष के आसपास है। कमिंस कमर में खिंचाव की चोट से जूझ रहे हैं तथा स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है जिसके कारण माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के

बारे में नहीं सोच रहा है। एसईएन रेडियो ने हेजलवुड के हवाले से कहा, मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं। हर कोई टेस्ट क्रिकेट को पसंद करता है और अगले दो वर्ष में काफी टेस्ट मैच खेले जाने हैं। उन्होंने कहा, अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का एक और चक्र होना बाकी है। इसलिए केवल एशेज ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में अगले दो साल में काफी रोमांचक मैच होने वाले हैं और मुझे लगता है कि हर कोई इनका हिस्सा बनना चाहता है। हमारे पास टेस्ट क्रिकेट को देने के लिए अभी काफी कुछ बचा है।

सुविचार

अपने सपनों को साकार करने का सबसे अच्छा तरीका है उन्हें जागते हुए देखना।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ये भी भारत मां के सैनिक

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन द्वारा दिए गए बयान कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान 400 वैज्ञानिकों ने चौबीसों घंटे काम किया था, से पता चलता है कि हमारा वैज्ञानिक समुदाय इस देश की सेवा एवं सुरक्षा के लिए कितना प्रतिबद्ध है! इसरो के ये कर्मठ वैज्ञानिक भी भारत मां के सैनिक हैं, जिन्होंने देश को विजय दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इनकी रणभूमि कुछ अलग है, हथियार अलग हैं और लड़ाई के तौर-तरीके अलग हैं। दुश्मन द्वारा पैदा की गईं चुनौतियों से देश को सुरक्षित रखने और उचित जवाबी कार्रवाई करने में हमारे वीर सैनिक सबसे आगे रहते हैं। वे अपने कर्तव्य पथ पर बलिदान देते हैं। उनके अलावा कुछ 'सैनिक' ऐसे भी होते हैं, जो भले ही सेना की वर्दी नहीं पहनते, लेकिन रणभूमि में डटे रहते हैं, दुश्मन से टकराते हैं और अपने देश को विजय दिलाते हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को शानदार बनाने के लिए इन 'सैनिकों' की भी सराहना होनी चाहिए। कई लोगों को पता ही नहीं होगा कि जब पाकिस्तान हमारे देश पर घातक हमले की साजिश रच रहा था, तब इसरो के उपग्रह चौबीसों घंटे सक्रिय थे और दुश्मन की हरकतों पर नजर रख रहे थे। जो लोग अंतरिक्ष विज्ञान संबंधी जानकारी न होने पर यह तर्क देते हैं कि 'इतने उपग्रह छोड़ने और मिशन चलाने से क्या हासिल होता है', उन्हें पता होना चाहिए कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हम पाकिस्तान को जोरदार जवाब इसलिए दे पाए, क्योंकि देश के पास सैन्य शक्ति के साथ वैज्ञानिक शक्ति थी।

भारतीय मिसाइलों और ड्रोनों ने पीओके से लेकर पाकिस्तान में चल रहे आतंकवादी ठिकानों पर जिस तरह कहर बरपाया, उससे स्पष्ट होता है कि हमारे सशस्त्र बलों के पास बिल्कुल सटीक जानकारी थी। जिन इमारतों में आतंकवादियों ने पनाह ले रखी थी, उन्हीं को निशाना बनाया गया था। यह जानकारी खुफिया एजेंसियों के कर्मचारी और एजेंट ही जुटा सकते हैं, जो गुमनाम सैनिक की तरह अपना काम करते रहते हैं। जब पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर अग्निवर्षा हुई तो स्थानीय लोगों को आश्चर्य हुआ कि यह जानकारी भारत के पास कैसे पहुंच गई! कुछ इलाके ऐसे थे, जहां आम पाकिस्तानी नहीं जा सकते। वहां फौज और आईएसआई का कड़ा पहरा होता है। ऐसे में यह पता लगाना बहुत मुश्किल था कि कौनसा आतंकवादी किस कमरे में छिपा है? भारतीय खुफिया एजेंसियों ने यह काम कर दिखाया। इससे आतंकवादियों में भारी खलबली मची हुई है। क्या पता कौन व्यक्ति भारत को सूचना भेज दे और आतंकवादियों के पूरे कुनबे को परलोक के दर्शन करवा दे! पहलगाम की घटना के बाद गोला-बारूद का निर्माण करने वाली इकाइयों के कर्मचारियों, लॉजिस्टिक्स कर्मचारियों ने भी मोर्चा संभाल लिया था। कई कर्मचारी अपनी छुट्टियां बीच में छोड़कर ड्यूटी पर लौटे थे। उन पर घर-परिवार की जिम्मेदारियां थीं, लेकिन उन्होंने देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। बेशक ये भी भारत मां के सैनिक हैं। जब पाकिस्तान हमारे हवाई हमलों से पस्त हो गया था तो उसने बड़े स्तर पर साइबर हमले किए थे। उसने भारत की कई महत्त्वपूर्ण वेबसाइटों को निशाना बनाने की कोशिश की थी। उसके हमलों को भारतीय साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने नाकाम किया था। पाकिस्तान के साइबर आतंकवाद के सामने चट्टान की तरह खड़े होने वाले ये साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ अपनेआप में सैनिक हैं। वह हर व्यक्ति भारत मां का सैनिक है, जिसने 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफल बनाने के लिए अपने स्तर पर कोई भी प्रयास किया था।

ट्वीटर टॉक

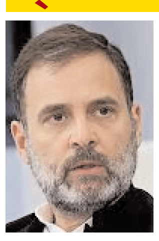

बिहार की इन युवा बेटियों की समझ, हौसला और सपने सब प्रेरणादायक हैं। मगर एनडीए सरकार की उपेक्षा उनके साथ सबसे बड़ा धोखा है – जो इन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे बुनियादी अधिकार तक नहीं दे पाई। हम उनकी आवाज़ दबने नहीं देंगे।

–राहुल गांधी

नारी सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा और रक्तदान जैसे सामाजिक सरोकारों में उल्लेखनीय व अनुकरणीय योगदान देने वालीं यशोदा चौधरी जी का आकस्मिक देहांत अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। परिजनों को इस कठिन समय में संबल मिले।

–गजेन्द्रसिंह शेखावत

कारगिल युद्ध के अमर नायक, परमवीर चक्र से सम्मानित कैप्टन विक्रम बत्रा जी की जयंती पर कोटिशः नमन। अपने अदम्य साहस, नेतृत्व और देशभक्ति से भारतीय सेना के गौरव को नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाले 'शेरशाह' कैप्टन बत्रा की बहादुरी सदैव प्रेरणीय रहेगी।

–ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

पारिवारिक सामंजस्य का मंत्र

एक बार संत वल्लभाचार्यजी सत्संग में परिवार और पारिवारिक जीवन में सामंजस्य की महत्ता पर उपदेश दे रहे थे। उन्होंने सहनशीलता पर ज़ोर देते हुए कहा कि पारिवारिक जीवन में धैर्य और समझदारी बहुत आवश्यक है। उसी समय एक श्रोता ने उन्हें टोकते हुए कहा, 'गुरुदेव, आपके विचार बहुत उत्तम हैं, परंतु जब अपने ही सगे भाई-बहन मतलबी और स्वार्थी हो जाएं, तब सहनशीलता कैसे रखी जाए?' यह सुनकर वल्लभाचार्यजी मुस्कराए और बोले, 'बेटा, जब तक तुम स्वयं अपने स्वार्थ से ऊपर नहीं उठोगे, तब तक दूसरों का मतलबीपन भी तुम्हें चुभता रहेगा। रिश्ते निभाने की शुरुआत हमें खुद से करनी होती है। देखो, रिश्ते चाहे जैसे भी हों, कितने भी कड़वे या कठिन क्यों न हो जाएं उन्हें तोड़ना कभी ठीक नहीं। क्योंकि पानी चाहे जितना भी गंदा क्यों न हो, अगर आग लगी हो, तो वही गंदा पानी भी आग बुझा सकता है।' उनकी यह बात श्रोताओं के हृदय को छू गई। जो लोग अपने संबंधों को लेकर दुखी थे, वे भी आत्मचिंतन करने लगे। सभी ने अनुभव किया कि जीवन में सत्संग ही वह दर्पण है, जो हमें खुद को देखने और सुधारने की प्रेरणा देता है।

सामयिक

नेपाल में क्या भारत के समर्थन वाली सरकार आ रही है?

अजय कुमार
मोबाइल : 9335566111

भारत के पड़ोसी देश बंग्लादेश में हाल ही में शेख हसीना की सरकार के तख्ता पलट के बाद अब एक अन्य पड़ोसी मुल्क नेपाल में भी वामपंथी विचारधारा के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार के तख्ता पलट की उम्मीद काफी बढ़ गई है। ओली के मंत्री और सांसद इस्तीफा दे रहे हैं। आम जनता के गुस्से को भांप कर प्रधानमंत्री ओली के साथ-साथ उनके समर्थन वाले कई नेताओं के विदेश जाने की खबरें भी आ रही हैं। मौजूदा हालात में अगर ओली सरकार गिरती है, तो सबसे पहले सत्ता में आने का रास्ता नेपाली कांग्रेस जैसी मध्यमार्गी, लोकतांत्रिक विचारधारा वाली पार्टी के लिये सबसे अधिक खुलेगा। नेपाली कांग्रेस संसद की सबसे बड़ी पार्टी है, जबकि सीपीएन-यूएमएल (ओली की पार्टी) दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है; इनके बाद तीसरी ताकत माओवादी केंद्र है, जो प्रगतिशील मगर ओली की तुलना में अधिक विविध गठबंधन की ओर झुकी रही है। ओली के नेतृत्व में मंत्रीमंडल में शामिल सहयोगी दलों ने पहले भी समर्थन वापस लिया है, इसलिए सत्ता परिवर्तन का रास्ता पहले संसदीय दल के बीच मेल-मिलाप, फिर बहुमत परीक्षण के जरिये तय होगा। नई सरकार के लिये गठबंधन जरूरी है, जिसमें कांग्रेस, माओवादी केंद्र और क्षेत्रीय दल प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।वैसे कहा यह भी जा रहा है कि नेपाल में जो कुछ हो रहा है उसके पीछे अमेरिका का हाथ है।

ओली सरकार की स्थिरता एक बार फिर बड़े संकट में फंस गई है, इसका ट्रिगर हालिया आंदोलन बना, जिसमें भ्रष्टाचार, भेदभाव और सोशल मीडिया नियंत्रण के खिलाफ युवाओं ने बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर कर विरोध किया। इन प्रदर्शनों को दबाने के दौरान पुलिस की फायरिंग में 19 लोगों की मौत हो चुकी है। इस घटना के बाद सरकार की साख और समर्थन तेजी से गिरा है; साथ ही ओली कैबिनेट से इस्तीफों का सिलसिला शुरू हो गया। सबसे पहले गृह मंत्री रमेश लेखक (नेपाली कांग्रेस) ने इस्तीफा देकर नैतिक जिम्मेदारी ली। इसके बाद कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी (नेपाली कांग्रेस) ने भी सरकार की नीतियों के खिलाफ इस्तीफा दे दिया है। ये इस्तीफे बताते हैं कि सरकार के सामने बड़ी सियासी चुनौती है और बहुमत खोने का संकट सिर पर है।

नेपाल की राजनीति में सत्ता परिवर्तन के कई निशाने और असर भारत पर भी सीधे पड़ते हैं। नई सरकार का गठन भारत और चीन दोनों के लिए कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाएगा। भारत पारंपरिक रूप से नेपाल की लोकतांत्रिक, संवैधानिक व्यवस्था को समर्थन देता रहा है और बार-बार राजनीतिक स्थिरता का पक्षधर रहा है। नेपाल में वामपंथी हुकूमतें आमतौर पर चीन के करीब दिखती हैं और भारत के साथ कई अहम समझौतों को ओझल कर देती हैं, जबकि नेपाली कांग्रेस जैसे दल खुलकर भारत-नेपाल सांस्कृतिक, राजनयिक, व्यापारिक रिश्तों को प्राथमिकता देते हैं। अगर ओली सरकार गिरती है और कांग्रेस गठबंधन सत्ता में आता है, तो भारत-नेपाल संबंधों के सहज होने, आपसी व्यापार बढ़ने और सीमाई विवादों के कम होने की संभावना कहीं अधिक मजबूत हो जाएगी; वहीं, ओली द्वारा लागू कट्टर राष्ट्रवाद कृ जो चीन के साथ नजदीकी बढ़ाने की कोशिशों में झलकता रहा कृ उसमें ब्रेक लग सकता है।

नेपाल के हालिया राजनीतिक अस्थिरता के भारत पर प्रभाव को तीन पहलुओं में समझा जा सकता है। पहला, भारत नेपाल में स्थिरता चाहता है ताकि मधेस, सीमा विवाद और पारगमन व्यापार को लेकर सहयोग बढ़ सके। अस्थिर सरकारों के कारण अक्सर समझौते टल जाते हैं या नए सिरे से कूटनीति की जरूरत पड़ती है।दूसरा, ओली की वामपंथी सरकार ने भारत के खिलाफ राष्ट्रवादी बोल, सीमाई मुद्दों पर चीन के पक्ष में झुकाव और आंतरिक राजनीति में बाहरी (खासकर भारतीय) दखल का आरोप बार-बार लगाया। सत्ता परिवर्तन से भारत के लिए एक संवेदनशील, व्यावहारिक सहयोगी सामने आ सकता है। तीसरा, चीन के दखल और नेपाल की आंतरिक राजनीति में सैन्य व अधोसंरचना सहयोग के मुद्दे पर भारत सावधान रहता है। नई सरकार बनने के बाद भारत-नेपाल के कूटनीतिक संतुलन को साधने की कोशिश संभव है। ओली सरकार में जो मंत्री इस्तीफा दे चुके हैं, उनमें गृह मंत्री रमेश लेखक और कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी (दोनों नेपाली कांग्रेस) के नाम सामने आ चुके हैं। दोनों ने व्यापक विरोध-प्रदर्शन, विपक्षी दलों के दबाव और पुलिस बर्बरता व जवाबदेही के अभाव को लेकर इस्तीफा दिया है; इनके अलावा भी गंभीर असंतोष के संकेत मिल रहे हैं।

नेपाल में मौजूदा संकट का स्रोत नई पीढ़ी का असंतोष, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और फ्री स्पीच की मांग है, जिससे सरकार का जनाधार कमजोर हुआ है। ओली सरकार के जाने के बाद केंद्र में लोकतांत्रिक, लोककल्याणकारी एजेंडा रखने वाली पार्टियों का दबदबा बढ़ सकता है, जिससे भारत-नेपाल संबंधों में नया संचार और क्षेत्रीय संतुलन संभव है। किंतु सेट बैक यह रहेगा कि बार-बार सियासी उठापटक नेपाल की आंतरिक प्राकृतिक व मानवीय समस्याओं को भी और लंबा खींच सकती है, जिसका सीधा असर भारत-नेपाल के सीमाई इलाकों, प्रवासी कामगारों और सांस्कृतिक रिश्तों पर पड़ेगा। इसलिए घटनाक्रम पर भारत की दोतरफा कूटनीतिक सक्रियता बढ़ना तय है।

विशेष

पितृ पक्ष पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और नई पीढ़ी को संदेश

आर.सी. शर्मा

पितृ पक्ष केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन, मृत्यु और मोक्ष के मध्य जुड़ा एक आध्यात्मिक सेतु है। यह श्रद्धा, संस्कार और तर्पण के माध्यम से पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। यह परंपरा न केवल हमारी जड़ों से जोड़ती है, बल्कि समाज में सेवा, करुणा और सामूहिकता की भावना को भी सुदृढ़ करती है। यह पर्व पीढ़ियों को जोड़ने, संबंधों को संजोने और आत्मिक शांति प्रदान करने वाला आध्यात्मिक ऊर्जा स्रोत भी है। पितृ पक्ष महज धार्मिक कर्मकांड नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की उस मूल भावना का प्रतीक है, जिसमें ऋणानुबंध का विचार निहित है। यह पीढ़ियों को जोड़ने वाला एक जीवंत सेतु है। आठ सितंबर से शुरू हो रहे पितृ पक्ष को हमें इसी नजरिये से देखना चाहिए। पितृ पक्ष वह समय है जब वर्तमान पीढ़ी अपने पुरखों का स्मरण करती है और आने वाली पीढ़ी को इस महती परंपरा से परिचय कराती है। पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की यह परंपरा दिखाती है कि समाज केवल आज की उपलब्धियों पर नहीं टिका बल्कि पूर्वजों के त्याग, परिश्रम और संस्कारों की नींव पर खड़ा है। पितृ पक्ष के अनुष्ठान, तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध भोज यह संदेश देते हैं कि वंश परंपरा का स्मरण और सामूहिक दान, पुण्य ही सच्चा धर्म है। यह परंपरा परिवार और समाज को एक सूत्र में पिरोती है। गांवों और शहरों में लोग एकत्र होकर पितरों का श्राद्ध करते हैं और गरीबों को भोजन कराते हैं। ऐसे में यह महज धार्मिक कर्मकांड नहीं बल्कि दया, सेवा और सामूहिकता का उत्सव है।पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष भी कहा जाता है। हिंदू पंचांग के मुताबिक यह समय भाद्रपद पूर्णिमा से शुरू होकर आश्विन अमावस्या तक का होता है यानी कुल 15 दिनों का इसे महालय अमावस्या पर विशेष महत्व दिया जाता है। पितृ पक्ष साल में केवल एक बार आता है। यद्यपि श्राद्ध, मासिक अमावस्या या मृत्यु तिथि पर श्राद्ध की परंपरा है, जो पितृ पक्ष से अलग होती है। पितृ पक्ष की जड़ें हमारे वेद, पुराणों में भी गहराई से समायी हुई हैं। महाभारत में भीष्म पितामह के निर्देश पर युधिष्ठिर ने पितृ पक्ष में श्राद्ध करके कुल का कल्याण किया था। माना जाता है कि जो संतान पितृ पक्ष में श्रद्धा से तर्पण करती है, उसके कुल का उत्थान होता है और पितरों की आत्माएं तृप्त होकर आशीर्वाद देती हैं।

पितृ पक्ष धार्मिक कर्मकांड नहीं है बल्कि यह परिवार और समाज के तानेबाने को मजबूत करता है। इसके जरिये हम वंश परंपरा का स्मरण करते हैं। लोग पितृ पक्ष में अपने पुरखों के कर्म और इतिहास को याद करके गौरव महसूस करते हैं। पितृ पक्ष में गांवों और कस्बों में श्राद्ध भोज के मौके पर वृहद परिवार और समाज के लोग साथ बैठते हैं, जिससे सामूहिकता और सामाजिक समानता का भाव मजबूत होता है। पितृ पक्ष में श्राद्ध भोज के तहत गरीबों, ब्राह्मणों और अतिथियों को भोजन कराया जाता है। यह परंपरा समाज में करुणा और सेवा की भावना जगाती है। पितृ पक्ष में देश के कई हिस्सों में लोग सांस्कृतिक पर्यटन के तहत एकजुट होते है। मसलन बिहार के गया, उत्तर प्रदेश के बनारस, मध्य प्रदेश के उज्जैन आदि नगरों में लाखों लोग श्राद्ध पक्ष पर एकत्र होकर अपने पुरखों का तर्पण करते हैं। इससे सांस्कृतिक पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बल मिलता है। पितृ पक्ष के मौके पर घर से बाहर रह रहे परिवारजन घर लौटते हैं और इस तरह परिवार पुनः एकत्र होता है।

पितृ पक्ष की परंपरा के पीछे एक गहरा वैज्ञानिक आधार भी है। पितृ पक्ष उस समय आता है, जब ऋतु परिवर्तन का समय होता है। इस दौरान लोगों की पाचनशक्ति कमजोर रहती है और श्राद्ध में परोसे जाने वाले व्यंजन, खिचड़ी, मूंग की दाल, तिल, जौ, घी तथा साग-सब्जियां सब हल्के और सुपाच्य होते हैं, जो लोगों को नई ऋतु के लिए शारीरिक रूप से तैयार करते हैं। श्राद्ध के पीछे जल संरक्षण का पर्यावरणीय संदेश भी छिपा है। वास्तव में श्राद्ध में किया जाने वाला तर्पण जल अर्पण का ही मूल भाव है। इससे जलस्रोतों के महत्व को समझाया जाता है। भारतीय संस्कृति जल को जीवन का आधार मानती है, ऐसे में तर्पण उसी श्रद्धा का प्रतीक है। इस पूरी प्रक्रिया में एक मनोविज्ञान भी काम कर रहा होता है। पूर्वजों का स्मरण व्यक्ति को अपनी जड़ों से जोड़ता है, इससे मानसिक स्थिरता, संतोष और आत्मीयता की भावना विकसित होती है। आधुनिक विज्ञान में इसे जीनोलॉजी या फैमिली हिस्ट्री कहते हैं, जो वास्तव में पितृ पक्ष के महत्व को चिकित्सा और आनुवांशिकी के साथ जोड़ती है।

पितृ पक्ष वास्तव में हमारे अतीत और वर्तमान के बीच, जीवन और मृत्यु के बीच तथा संस्कृति और विज्ञान के बीच एक मजबूत पुल का काम करते हैं। पितृ पक्ष हमें आस्वश्त करते हैं कि हम अकेले नहीं हैं बल्कि पीढ़ियों की एक शृंखला का हिस्सा हैं। इससे अगली पीढ़ी को यह शिक्षा मिलती है,जीवन केवल अपनी उपलब्धियों से नहीं, पुरखों के त्याग और संस्कारों से भी गढ़ा जाता है। पितृ पक्ष जैसे पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं और भविष्य के लिए मजबूत नींव तैयार करते हैं। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि अतीत से जुड़कर ही भविष्य का निर्माण होता है। ऐसे में सांस्कृतिक रूप से भारतीय समाज की यह खास विशेषता हमें अपने मृत पूर्वजों की सामूहिक स्मृति से जोड़कर हमें जीवन संबल प्रदान करती है।

कुल मिलाकर पितृ पक्ष महज धार्मिक कर्मकांड नहीं है बल्कि हर साल 15 दिनों का यह वह कालखंड होता है, जब हम ठहरकर अपने अतीत से अपना रिश्ता महसूस करते हैं। पितृ पक्ष हमारे वर्तमान और अतीत का भावनात्मक पुल है, जो हमें हमारी जड़ों तक ले जाता है और समाज तथा परिवार को एक सूत्र में पिरोता है। इसमें कृतज्ञता, सेवा, करुणा और सामूहिकता का भाव है।

–साभार : द ट्रिब्यून

नजरिया

जीवन की रक्षा में संवाद ही सबसे बड़ा हथियार

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2025 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरुकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं। जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता।

मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है। लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाकर भी आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए ही नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वयंसेवक' से उपराष्ट्रपति तक सी. पी. राधाकृष्णन का रहा है बेमिसाल सफर

नई दिल्ली/भाषा। किशोरावस्था में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 'स्वयंसेवक, जनसंघ से राजनीतिक पारी की शुरुआत, 1990 के दशक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद, समर्थकों के बीच 'तमिलनाडु के मोदी' के नाम से लोकप्रिय और आज देश के दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद के लिए निर्वाचित हुए चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन का सफर निस्संदेह बेमिसाल है। उपराष्ट्रपति के तौर पर उनका सफर अब अलग तरह का होगा, जिसमें उनके सामने कई चुनौतियां भी होंगी। सबसे बड़ी चुनौती राज्यसभा के सभापति के रूप में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संतुलन बनाने की होगी, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष ने आसन की निष्पक्षता को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं। राधाकृष्णन (67 वर्ष) देश के 15वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। अब तक महाराष्ट्र के राज्यपाल की भूमिका रहे 67 वर्षीय राधाकृष्णन किशोरावस्था में ही आरएसएस और जनसंघ से जुड़ गए थे। वह 1990 के दशक के अंत में कोयंबटूर से दो बार लोकसभा चुनाव जीते और उनके समर्थक उन्हें 'तमिलनाडु का मोदी' कहते हैं। राधाकृष्णन ने 1998 और 1999 में कोयंबटूर लोकसभा सीट से दो बार चुनाव जीता, हालांकि इसके बाद उन्हें इस सीट से लगातार तीन बार हार का सामना करना पड़ा। तमिलनाडु में सभी दलों में उन्हें काफी सम्मान हासिल है और यही वजह है कि भाजपा ने उन्हें कई राज्यों का राज्यपाल बनाया। उन्होंने 31 जुलाई, 2024 को महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। इससे पहले, उन्होंने लगभग डेढ़ साल तक झारखंड के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। झारखंड के राज्यपाल के रूप में, उन्हें तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया था।

विभिन्न राज्यों में राज्यपाल पद संभालने के बाद भी, वह अक्सर तमिलनाडु का दौरा करते रहे हैं। अपने हालिया तमिलनाडु दौरे के दौरान उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से भी मुलाकात की थी।

तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

नेपाल की स्थिति पर नजर बनाए हुए है रूस, रूसी नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह

मॉस्को/भाषा। रूस ने मंगलवार को कहा कि वह नेपाल की स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए है और उसने अपने रूसी नागरिकों को सरकार विरोधी प्रदर्शनों के मद्देनजर सावधान रहने की सलाह दी है।

नेपाल में सोशल मीडिया साइटों पर सरकारी प्रतिबंध के खिलाफ सोमवार को काठमांडू और कुछ अन्य स्थानों पर युवाओं के हिंसक विरोध प्रदर्शनों में कम से कम 19 लोगों की मौत हुई है और 300 से अधिक अन्य घायल हुए हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। प्रदर्शनकारियों ने बड़े नेताओं के निजी आवासों, राजनीतिक दलों के मुख्यालयों पर हमला किया और यहां तक कि संसद में भी तोड़फोड़ की। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' की खबर के अनुसार काठमांडू में स्थित रूसी दूतावास ने कहा है कि वह स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और रूसी नागरिक सुरक्षित हैं।

दूतावास ने कहा कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। हालांकि, दूतावास ने यह भी कहा कि उसकी राजनयिक कर्मचारियों को निकालने की कोई योजना नहीं है। सरकारी 'वेस्टीएफएम रेडियो' के अनुसार, नेपाल के घटनाक्रम पर भारत की प्रतिक्रिया पर नजर बनी हुई है क्योंकि उसे इस हिंदू बहुल राष्ट्र का बड़ा भाई माना जाता है। भारत ने मंगलवार को कहा कि वह नेपाल में विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई युवाओं की मौत से बेहद दुखी है। भारत ने उम्मीद जताई कि इन मुद्दों का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान निकाला जाएगा।

विदेश मंत्रालय ने कहा, हम कल से नेपाल में जारी घटनाक्रम पर कड़ी नजर रखे हुए हैं और कई युवाओं की मौत से बेहद दुखी हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, एक करीबी दोस्त और पड़ोसी होने के नाते, हम उम्मीद करते हैं कि सभी संबंधित पक्ष संयम बरतेंगे और शांतिपूर्ण तरीकों व बातचीत के जरिए किसी भी मुद्दे का समाधान करेंगे। इस बीच, रूसी पर्यटन संघ की प्रमुख नतालिया ओसिपोवा ने कहा कि नेपाल में लगभग 200 रूसी पर्यटक हैं, जबकि 'तास' ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में कुल मिलाकर 400 से अधिक रूसी पर्यटक नहीं हैं।

रूसी पर्वतारोहण महासंघ के अनुसार, उसके कई सदस्य नेपाल में हैं। रूसी दूतावास ने उन्हें पहाड़ों में ही रहने और दंगों के मुख्य स्थल काठमांडू की यात्रा न करने को कहा है।

ओणम समारोह

तिरुवनंतपुरम में मंगलवार को ओणम सप्ताह समारोह के समापन समारोह के दौरान ओपना नृत्य में भाग लेने से पहले एक यादगार तस्वीर खिंचवाती युवतियों का एक समूह।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख की अदूरदर्शिता क्षेत्र में शांति खत्म कर रही: इमरान खान

लाहौर/भाषा। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सेना प्रमुख असीम मुनीर की अफगानिस्तान नीति को दोषपूर्ण बताते हुए कहा है कि शीर्ष जनरल की अदूरदर्शिता क्षेत्र में शांति खत्म कर रही है। खान (72) कई मामलों में दो साल से अधिक समय से जेल में बंद हैं। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का दावा है कि खान का अपराध सैन्य प्रतिष्ठान की ताकत को चुनौती देना था। खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, अफगानिस्तान में मौजूदा सरकार का विरोध करने वाली लॉबी को खुश करने की कोशिश में, असीम मुनीर अपनी अदूरदर्शिता के कारण वह शांति खत्म कर रहे हैं जो हमारे कार्यकाल के दौरान क्षेत्र में स्थापित हुई थी। जहां मजबूत रिश्ते होने चाहिए थे, वहां हालात और बदतर हो रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे इस बात का गहरा दुख है कि हमारे अफगान भाइयों को जबरन पाकिस्तान से बाहर निकाला जा रहा है। जब अफगानिस्तान में भूकंप आया है, हमें उनकी मदद करनी चाहिए, न कि उन्हें बाहर निकालना चाहिए।

खान ने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन को निर्देश दिया कि वह अफगानिस्तान का दौरा करें, ताकि स्थिति को और बिगड़ने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि (प्रधानमंत्री) शहबाज शरीफ की दिखावटी सरकार को जवाब देना चाहिए कि अगर पंजाब की मुख्यमंत्री मरयम नवाज जापान और थाईलैंड की यात्रा कर सकती हैं, तो खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अपने प्रांत में शांति के लिए अफगानिस्तान क्यों नहीं जा सकते? खान ने कहा कि सैन्य अभियान, ड्रोन हमले और खैबर पख्तूनख्वा में लोगों का जबरन विस्थापन वास्तव में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की सरकार को कमजोर करने का प्रयास है।

बहन के साथ बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पंजाब पहुंचे सोनू सूद, बोले- 'असली चुनौतियां बाकी हैं'

चंडीगढ़/एजेन्सी

पंजाब में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। ऐसे में बॉलीवुड अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद लोगों की मदद के लिए आगे आए हैं। इस बार वह अपनी बहन मालविका सूद के साथ मोगा पहुंचे, जहां उन्होंने एक प्रेस वार्ता की। बातचीत के दौरान उन्होंने बाढ़ और उससे उत्पन्न हुई मुश्किलों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जैसे पहले कोरोना महामारी ने लोगों की हालत खराब की थी, वैसे ही अब बाढ़ ने पंजाब को भारी नुकसान पहुंचाया है। सोनू सूद ने कहा कि पंजाब के कई गांवों में हालात काफी खराब हैं। वहां के सरपंचों और स्थानीय मुखियाओं से बातचीत करके पीड़ितों की जानकारी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि राहत कार्य जारी हैं और सूद फाउंडेशन की ओर से लगातार हर गांव में जरूरी सामग्री पहुंचाई जा रही है। इस काम की जिम्मेदारी उनकी बहन मालविका सूद संभाल रही हैं, जो पहले से ही सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सोनू ने कहा कि अभी बाढ़ का पानी उतर रहा है, लेकिन असली समस्या तो कुछ महीनों बाद आएगी, जब लोग बीमार होने लगेंगे और उनके पास इलाज के पैसे नहीं होंगे। उन्होंने चिंता जताई कि बहुत से गांव ऐसे हैं, जहां से लोग अस्पताल तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे लोगों के लिए एक स्थायी समाधान की जरूरत है और वह खुद इस दिशा में एक जरिया तैयार करने में लगे हुए हैं।

सोनू सूद ने आगे कहा कि जैसे उन्होंने और उनकी बहन ने कोरोना के समय लोगों की मदद की थी, वैसे ही अब वे बाढ़ पीड़ितों के लिए भी हर तरह की मदद पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालात अभी तो कुछ संभले हैं, लेकिन असली चुनौतियां अभी बाकी हैं।

सोनू सूद ने लोगों से अपील की कि वे एकजुट होकर काम करें और एक-दूसरे की मदद करें। उन्होंने वादा किया कि वे हर स्तर पर लोगों के साथ खड़े रहेंगे और पंजाब को फिर से हरा-भरा और खुशहाल बनाएंगे। मालविका सूद ने भी बताया कि सूद फाउंडेशन की टीम गांव-गांव जाकर राहत सामग्री बांट रही है। उन्होंने कहा कि उनका मकसद सिर्फ राहत देना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन को फिर से पटरी पर लाना है।

सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती : सई मांजरेकर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सई मांजरेकर का कहना है कि उनके लिए सिनेमा सिर्फ भाषा की बात नहीं, बल्कि अच्छी कहानियों और प्रेरणादायक सहयोग का माध्यम है। सई मांजरेकर, जिन्होंने पहले ही बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपनी पहचान बनाई है, अपनी प्राथमिकताओं को लेकर साफ हैं। उनके लिए सिनेमा सिर्फ भाषा की बात नहीं, बल्कि अच्छी कहानियों और प्रेरणादायक सहयोग का माध्यम है।

सई ने कहा, मेरा मानना है कि सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती।असल मायने रखती है कहानी और उसका दर्शकों से जुड़ाव। अभी मैं बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री पर ध्यान दे रही हूँ, लेकिन आगे चलकर मैं एक अच्छी मराठी फिल्म जरूर करना चाहूँगी। जब तक स्क्रिप्ट रोमांचक हो और डायरेक्टर का विज़न मज़बूत हो, मैं किसी भी इंडस्ट्री को एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हूँ।

सई मांजरेकर ने बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री की तुलना करते हुए कहा,दोनों जगह काम करने का मौका मिलने के बाद मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री की अपनी अलग पहचान और जादू है। बॉलीवुड में कहानियों को बड़े भावनात्मक अंदाज़ में दिखाया जाता है, जबकि साउथ में मैंने अनुशासन और कला के प्रति गहरा सम्मान देखा, जो मुझे बेहद पसंद आया। दोनों अनुभवों ने मुझे अलग-अलग तरह से गढ़ा है और मैं खुद को खुशनसीब मानती हूँ कि दोनों का हिस्सा हूँ। मेरे लिए यह सफर दोनों की अच्छाइयों को अपनाने और हर प्रोजेक्ट के साथ आगे बढ़ने का है।

सई मांजरेकर की सोच पर घर का भी असर रहा है। उनके पिता, मशहूर फिल्ममेकर और अभिनेता महेश मांजरेकर, आठ अलग-अलग भाषाओं में काम कर चुके हैं और उन्होंने सई को दिखाया कि अच्छी कहानियां सीमाओं को पार कर सकती हैं। उसी से प्रेरित होकर सई भी अपना एक ऐसा बहुभाषी सफर तय करना चाहती हैं जिसमें मुख्यधारा का आकर्षण भी हो और दिल को छूने वाली कहानियाँ भी।

रकुल प्रीत सिंह ने काशी विश्वनाथ के दर पर टेका मत्था, गंगा आरती का बनीं हिस्सा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह न सिर्फ अपने अभिनय और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं, बल्कि सादगी भरे अंदाज और धार्मिक आस्था के लिए भी लोगों के दिलों में खास जगह रखती हैं। मंगलवार को उन्होंने एक ऐसी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। रकुल ने काशी विश्वनाथ मंदिर से कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। यहां उन्होंने दर्शन किए और आरती में भी हिस्सा लिया। काशी विश्वनाथ मंदिर उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में गंगा नदी के पश्चिमी तट पर स्थित प्रसिद्ध हिंदू मंदिर है, जो भगवान शिव को समर्पित है और बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इसमें मुख्य रूप से

भगवान शिव की ज्योतिर्लिंग की प्रतिमा है, जिसे विश्वनाथ या विश्वेश्वर के रूप में पूजा जाता है। रकुल ने जो तस्वीर साझा की है, उसमें वह काशी विश्वनाथ मंदिर के सामने खड़ी नजर आ रही हैं। वह पारंपरिक लुक में दिखाई दे रही हैं। उन्होंने हल्के गुलाबी रंग का सुंदर सूट पहन रखा है, जिस पर फूलों की कढ़ाई है। उनके गले में सफेद फूलों की माला है और उनके चेहरे पर श्रद्धा की झलक साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने बालों को पीछे की ओर बांधा हुआ है और हाथ जोड़कर खड़ी हैं। तस्वीर में बैकग्राउंड की बात करें तो मंदिर की भव्यता रात की रोशनी में सोने की तरह चमक रही है।

उन्होंने इस पोस्ट में तस्वीरों के अलावा, वीडियो भी साझा किए। वीडियो में मां गंगा आरती की झलक दिखाई गई है। एक वीडियो में वह पूजा करती नजर आ रही हैं। इस पोस्ट को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए रकुल प्रीत सिंह ने कमेंटस में लिखा, ''काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन और गंगा आरती का साक्षी बनकर धन्य महसूस कर रही हूं।''

प्रदर्शन

पटना में मंगलवार को कंप्यूटर शिक्षक की रिक्तियों को जारी करने की मांग को लेकर विरोध मार्च निकाल रहे बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई) 4.0 के अभ्यर्थियों को पुलिस ने रोक लिया।

'बैटल ऑफ गलवान' से सामने आया सलमान खान का फर्स्ट लुक

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपनी आने वाली फिल्म बैटल ऑफ गलवान से पहला ऑफिशियल लुक इंस्टाग्राम पर शेयर कर दिया है। शूटिंग शुरू होते ही सामने आई इस तस्वीर में सलमान आर्मी की यूनिफॉर्म में दिखाई दे रहे हैं। सलमान अपने इस लुक में राजसी ठाठ-बाट, घनी मूंछें और तीखी नजरों के साथ देशभक्ति में डूबे हुए दिखाई दे रहे हैं। अपूर्व लखिया के निर्देशन में बनी यह फ़िल्म 2020 की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई भयानक लड़ाई के समय में फिर से लेकर जाती है। उस समय सीमा पर हुआ यह एक दुर्लभ संघर्ष था, जिसमें सैनिकों ने बिना किसी हथियार के लड़ाई लड़ते हुए जान गंवाई थी। सैनिकों ने लाठी और पत्थरों से आमने-सामने की लड़ाई लड़ी थी, जिससे यह हाल के भारतीय इतिहास की सबसे ज़्यादा भावनात्मक कहानियों में से एक बनकर सामने आई। अपनी दमदार कहानी और कमाल की स्टार कास्ट के साथ बैटल ऑफ गलवान हाल के सालों में भारतीय सेना को समर्पित सबसे असरदार सिनेमाई श्रद्धांजलि बनने जा रही है।

राशि खन्ना ने 'तेलुसु कड़ा' की शूटिंग पूरी की

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा की सबसे बहु-प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक, राशि खन्ना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपने करियर के एक भावनात्मक पड़ाव को साझा किया। अभिनेत्री ने घोषणा की कि उन्होंने अपनी आगामी फिल्म, 'तेलुसु कड़ा' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी कर ली है। सेट से एक बीटीएस (बिहाइंड द सीन्स) शेयर करते हुए, राशि खन्ना ने आभार व्यक्त किया और उस भावनात्मक सफ़र को याद किया जिस पर यह फिल्म उन्हें ले गई।

उन्होंने लिखा, कुछ कहानियाँ तब भी नहीं जातीं जब कैमरे बंद हो जाते हैं... 'तेलुसु कड़ा' भी उन्हीं में से एक है। एक ऐसी यात्रा जिसमें प्यार है, खोना है, और वो सब कुछ जो इन दोनों के बीच होता है। और0 आज, मैं इस सफर को पूरा कर रही हूँ। इस अविश्वसनीय टीम के प्रति हमेशा आभारी रहूँगी, जिन्होंने मेरे साथ इस कहानी को जिया। अब आपकी बारी है इस दुनिया में कदम रखने की, जो हमने बनाई है। यह सफर आसान नहीं होने वाला!

यह पोस्ट न सिर्फ उनके पेशेवर जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय के समापन को दर्शाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि राशि अपने किरदारों से कितनी गहराई से जुड़ जाती हैं। अपनी मेहनत और संवेदनशील अभिनय के लिए जानी जाने वाली राशि, दर्शकों के लिए एक ऐसी कहानी लेकर आ रही हैं जिसमें भावनाएँ, गहराई और यादगार पलों से भरी एक कहानी का वादा करती हैं। राशि के प्रशंसकों ने उनके पोस्ट पर उत्सुकता से प्रतिक्रिया दी है, फिल्म के लिए उत्साह और उनके समर्पण की प्रशंसा व्यक्त की है। हालांकि फिल्म की कहानी अभी गोपनीय रखी गई है, लेकिन राशि की बातों से यह साफ है कि यह एक रोमांचक और भावनात्मक सिनेमाई अनुभव होगा। तेलुसु कड़ा के साथ, राशि खन्ना ने एक बार फिर साबित किया है कि वह समकालीन भारतीय सिनेमा की एक सशक्त और प्रभावशाली अभिनेत्री हैं। इसके साथ, राशि अपने करियर के सबसे निर्णायक दौर में से एक में प्रवेश कर रही हैं। वह फरहान अख्तर के साथ '120 बहादुर' में मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जो एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा समर्थित है। जिससे उनके स्पष्ट विजन और पैन-इंडिया अपील को दर्शाती है। वह अगली बार पवन कल्याण के साथ तेलुगु एक्शन-ड्रामा फिल्म उस्ताद भगत सिंह में नज़र आएंगी, और उसके बाद विक्रांत मैसी के साथ तलाखों में एक में नज़र आएंगी। एक ऐसी फ़िल्म जो सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों पर केंद्रित है। इसके अलावा राशि जल्द ही लोकप्रिय ओटीटी थ्रिलर 'फर्जी' के दूसरे सीज़न में भी वापसी करेंगी, जिसकी शूटिंग इस दिसंबर से शुरू होने जा रही है।

'केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग' का प्रीमियर स्टार गोल्ड पर 13 को होगा

मुंबई/एजेन्सी

अक्षय कुमार, आर. माधवन और अनन्या पांडे की मुख्य भूमिकाओं वाली धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म केसरी चैप्टर 2 का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर शनिवार, 13 सितंबर को रात आठ बजे स्टार गोल्ड पर होगा। इस सितंबर, स्टार गोल्ड लेकर आ रहा है साहस और सच्चाई की एक ताक़तवर कहानी केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग़। यह फिल्म शनिवार, 13 सितंबर को रात आठ बजे वर्ल्ड टीवी प्रीमियर के रूप में दिखाई जाएगी। यह कहानी है उस बहादुर वकील सी. शंकरन नायर की, जिन्होंने 1919 के जलियांवाला बाग़ नरसंहार की सच्चाई सामने लाने के लिए ब्रिटिश हुकूमत से टक्कर ली।इस फिल्म का निर्देशन करन सिंह त्यागी ने किया है।

अक्षय कुमार ने कहा, सी. शंकरन नायर की भूमिका निभाना मेरे करियर के सबसे खास अनुभवों में से एक रहा। उनकी कहानी साबित करती है कि हिम्मत केवल युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि सच्चाई और न्याय की लड़ाई में भी दिखाई जाती है। मुझे खुशी है कि अब यह अनकही कहानी टीवी पर देश के हर घर तक पहुंचेगी। आर. माधवन ने कहा, नेविल मैककिनली का किरदार निभाना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण था। उनकी सोच और संघर्ष को दिखाना आसान नहीं था, लेकिन इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। दर्शक जलियांवाला बाग़ की सच्चाई को जानेंगे, जो अब तक बहुत कम लोगों को पता थी। अनन्या पांडे ने कहा, दिलरीत गिल का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात थी। वह उस दौर की युवा पीढ़ी का प्रतीक है, जो सच्चाई को सबसे ऊपर मानती थी। इस फिल्म से जुड़कर मुझे गर्व हुआ और उम्मीद है कि दर्शक, खासकर युवा, इसे देखकर प्रेरित होंगे। करण जौहर ने कहा, केसरी चैप्टर 2 को बनाना धर्मा प्रोडक्शंस के लिए गर्व का विषय रहा। यह कहानी भारत की आज़ादी के लिए लड़ी गई सबसे महत्वपूर्ण कानूनी लड़ाइयों में से एक है। हमें पूरा विश्वास है कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय गुजराती जैन संघ गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ वरुण मुनिजी ने आचार्यश्री जयमल जी महाराज की 338 वीं जयंती पर उनके महान संयमी विराट व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि आचार्यश्री जयमल जी जिनशासन के एक दैदीप्यमान नक्षत्र थे।

तेयुप हनुमंतनगर की पहली बैठक में डायग्नोस्टिक सेन्टर विकास पर हुई चर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर की नवगठित टीम की प्रथम बैठक आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर (एटीडीसी) में हुई। अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। एटीडीसी के प्रभारी शांतिनाथ गांधी अपने विचार रखे। सहप्रभारी गौतम खाब्या ने वर्तमान में चल रही गतिविधियों से अवगत कराया। अतिरिक्त प्रभारी राजीव हीरावत ने बताया कि एटीडीसी को नई ऊंचाई तक ले जाने हेतु टीम को 5 खंडों में विभाजित किया गया ताकि अपने क्षेत्र के विशेष कार्यो पर केंद्रित होकर काम करना होगा, जिससे मानव सेवा के अतर्गत तेयुप संचालित इस स्थाई आयाम एटीडीसी का लक्ष्य पूर्ण हो सकता है। अनेक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर उपाध्यक्ष महावीर कटारिया, मंत्री देवेन्द्र आंचलिया, सह मंत्री गौतम चावत व रक्षित लोढ़ा, कोषाध्यक्ष विजय कटारिया, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश झाबक आदि सदस्य उपस्थित थे। एडीटीसी के सह संयोजक राहुल मेहता ने संचालन किया।

दान करने में स्वार्थ बुद्धि नहीं होनी चाहिए : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि हमें धर्म करने योग्य सभी अनुकूलताएं प्राप्त हो गई हैं किंतु स्वयं को नियमबद्ध करते वक्त प्रमादी और बहानेबाज हो जाते हैं। जरूरी नहीं है कि हम तप थोक में ही करें। तप का अभ्यास करते करते हम तप अनुरागी बन सकते हैं। आचार्य जयमलजी ने ब्रह्मचर्य तप के महत्व को समझ कर आत्मसात कर लिया था और आजीवन ब्रह्मचारी हो गए थे। ऐसे तपस्वियों को देवता भी नमन करते हैं। अपने प्रवचन में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि सुपात्र दान की महिमा अपार है। दान में स्वार्थ बुद्धि नहीं होनी चाहिए। मात्र कर्म निर्जरा और साता पहुंचाने की भावना होनी चाहिए। साधु सर्वश्रेष्ठ पात्र होते हैं।

हम हमारे भोजन का ऐसा संविभाग करे कि भोजन हम भी करें, अतिथि भी करे, साधु भी करे और पशु के लिए भी हम कुछ हिस्सा रखें। भावों की धारा उच्च और उन्नत होनी चाहिए।ङ्गप्रवचन सभा में बेंगलूरु, केजीएफ, मैसूरु आदि स्थानों से श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे। अभयकुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

जिनशासन के दैदीप्यमान नक्षत्र थे आचार्यश्री जयमल : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुजराती जैन संघ गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ वरुण मुनिजी ने आचार्यश्री जयमल जी महाराज की 338 वीं जयंती पर उनके महान संयमी विराट व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि आचार्यश्री जयमल जी जिनशासन के एक दैदीप्यमान नक्षत्र थे। उन्होंने अपने ज्ञान, साधना, तप, संयम साधना के बल पर भगवान महावीर के धर्म शासन की महती प्रभावना की। उन्होंने तप साधना को कर्म निर्जरा का माध्यम मानते हुए अपने संयमी जीवन में अनेक प्रकार की विशिष्ट तप साधना करते हुए अपनी आत्मा को भावित करते हुए आम जनमानस में भी तप साधना का महत्व समझाया। झोपड़ी से लेकर महलों तक उनकी पहुंच थी। जयमलजी संगठन विकास, जिनशासन प्रभावक, दीन असहायों के सहायक, महान तप साधक थे एवं उन्होंने जन कल्याण के मार्ग पर चलने के लिए सबको प्रेरित किया। वे मानवता के मसीहा थे। उन्होंने जैन धर्म के अहिंसा ध्वज को संपूर्ण भारत वर्ष के कोने कोने में फहराया। ङ्गमुनिश्री ने कहा कि आचार्य श्री जयमलजी प्रभावशाली, बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व के धनी, युगपुरुष, महान ज्ञानी, ध्यानी, संयम, तप साधना, ऊर्जा से ओतप्रोत महापुरुष संत शिरोमणि रत्न थे। उन्होंने अपने दिव्य गुणों की सौरभ से जन जन की आस्था के केन्द्र बने। उन्होंने भगवान महावीर के अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद आदि जैन धर्म के मूल सिद्धांतों को जन जन तक पहुंचाया। रूपेश मुनि जी ने गुरु भक्ति गीत प्रस्तुत किया। उप प्रवर्तक पंकज मुनि जी ने सबको मंगल पाठ प्रदान किया। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजेश मेहता ने किया।

श्रेष्ठ मनुष्यों को उपाधियां स्वयं खोजती हैं : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में मंगलवार को धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि श्रेष्ठ मनुष्य कभी अपनी गलतियों को छिपाने का प्रयास नहीं करते। उन्हें हमेशा अपनी भूलों का पश्चाताप होता है। वे सदैव अपनी गलतियों को सुधारकर आगे बढ़ने का पुरुषार्थ करते हैं। स्वयं की गलतियों की सजा दूसरों को देने या किसी पर आरोप मढ़ने के संस्कार श्रेष्ठ मनुष्य के खून में ही नहीं होते, इसलिए तो ऐसे मनुष्य महापुरुष कहलाते हैं और जमाना उनके चरित्र की कहानियां युगों-युगों तक दोहराता है। श्रेष्ठता की परीक्षा कठिन नहीं है। मनुष्य के व्यवहार, वाणी, मित्र, स्वभाव, कार्यपद्धति और परिवेश को देखकर आसानी से यह समझा जा सकता है कि व्यक्ति का स्तर कैसा है। संसार में यूं ही कोई अमर नहीं होते, मनुष्य की श्रेष्ठताएं और समाज, धर्म या राष्ट्र को दी गई उनकी सेवाएं प्रेरणादायी इतिहास बन जाती हैं। ऐसे लोगों के जीवनचरित्र लिखे और पढ़े जाते हैं। श्रेष्ठ मनुष्य कभी किसी का बुरा नहीं करते। ङ्ग जैनाचार्य ने कहा कि श्रेष्ठताएं अपने आप नहीं मिल जाती। उनके लिए सत्पुरुषार्थ करना पड़ता है। जिनका अपने मन पर नियंत्रण न हो, जो लोग विवादों-प्रपंचों में रुचि रखते हों, जिनकी स्वार्थवृत्ति हो और सदाचार में जिनका विश्वास न हों, ऐसे मनुष्य कभी श्रेष्ठ नहीं बन सकते। श्रेष्ठता का सरोवर बिंदु-बिंदु के संग्रह और पल-पल के प्रयत्नों से भरना होता है। इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ प्रवचनमाला के अंतर्गत जैनाचार्य ने कहा कि वैशाली के राजा चेटक की साथ सात पुत्रियां थीं, लेकिन सभी शीलवान, सदाचारी और सात्विक भावों से ओतप्रोत सती थीं। उनके जीवन-प्रसंगों से ये शिक्षाएं मिलती हैं कि विपत्तिकाल में भी उन्होंने कभी समझौते नहीं किए। अपने प्राणों का बलिदान देना उन्होंने उचित समझा, लेकिन बुराइयों के वशीभूत होना हरगिज स्वीकार नहीं किया। ऐसा होने पर ही भारतीय समाज श्रेष्ठताओं के पथ पर प्रगति कर सकता है। संघ के कोषाध्यक्ष निर्मल पारेख ने बताया कि आचार्य विमलसागरसूरीश्वर व गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में बुधवार को संघ के पार्श्व जिनालय में पंचाभिषेक का विशिष्ट पूजन अनुष्ठान आयोजित किया गया है।

जल के बिना जीवन अधूरा है : मुनि पुलकित कुमार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में जल संरक्षण विचार संगोष्ठी का आयोजन तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा तेरापंथ भवन गांधीनगर में हुआ। डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कहा कि जल को अमृत की उपमा दी गई है। जल के बिना प्राणी का जीवन अधूरा है। जल संरक्षण वर्तमान समय की ज्वलंत समस्या हैं। आज अगर हमने जागरूकता नहीं रखी तो आने वाला समय बहुत विकट होगा। मुनिश्री ने जैन संतों के संयमित जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि इसके लिए हम जैन मुनि विशेष जल संयम का प्रयोग करते हैं। पानी की बर्बादी को रोकते हैं। जैन श्रावक-श्राविकाएं भी जल का अपव्यय न करने संकल्प लेते हैं। इस मौके पर दिल्ली से आई जल संरक्षण संस्था 'संपूर्णा' की प्रमुख डॉ शोभा विजेंद्र गुप्ता, तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल से वीणा बैद ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर महिला मंडल की विजेता रायसोनी, प्रमिला धोका, उपाध्यक्ष किरण गिलुंडिया, दमयंती कटारिया, सुनीता गांधी, संगीता आंचलिया आदि उपस्थित थीं।

हनुमंतनगर में 'आओ, नींद को अपनी ताकत बनाएं' विषयक कार्यशाला सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रेक्षाध्यान अभियान के तहत 'आओ, नींद को अपनी ताकत बनाएं' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया। महिला मंडल की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीनाक्षी देरासरिया ने सभी का स्वागत किया। सहमंत्री मीनाक्षी बोथरा ने प्रेक्षा प्रशिक्षिका रेणु कोठारी का परिचय दिया। पूर्व अध्यक्ष मंजू दक व रेखा पोरवाड़ ने शुभकामनाएं दी। योग प्रशिक्षिका रेणु कोठारी ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए सहज भाषा में नींद के महत्व को समझाया। उन्होंने योग निद्रा का अभ्यास भी करवाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोते समय हमें आर्त ध्यान एवं रौद्र ध्यान से बचना चाहिए तथा धर्म ध्यान को अपनाना चाहिए। प्रतिभागियों ने अनुभव किया कि सही दिनचर्या, संतुलित आहार, योगाभ्यास एवं साधना के माध्यम से नींद केवल विश्राम ही नहीं देती, बल्कि आत्मिक शांति और जीवन ऊर्जा का भी स्रोत बन जाती है। मंत्री पपीता दक ने संचालन किया। सविता बच्छावत ने कार्यशाला में उपस्थित 27 सदस्याओं का धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महोत्सव

बेंगलूरु के केपी अग्रहारा में क्षेत्र के नागरिकों द्वारा आयोजित अण्णमादेवी महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया

स्वस्थ जीवन धर्म साधना का आधार है : साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विल्सन गार्डन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्री ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गहन ध्यान देना चाहिए। आज की इस भौतिक चकाचौंध में लोग स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हुए तनावपूर्ण जीवन जी रहे हैं, जबकि सच्चा सुख तो स्वस्थ और संयमित जीवन में ही है। जिस प्रकार की हमारी भावनाएँ होंगी, वैसा ही हमारा जीवन आकार लेगा, इसलिए जब तक शरीर स्वस्थ है, तब तक धर्म, ध्यान, स्वाध्याय और साधना अवश्य करनी चाहिए। प्रभु भक्ति, भजन-कीर्तन और साधना से जीवन में आनंद और संतुलन बना रहता है। उन्होंने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य से ही तपस्या संभव है। यदि शरीर स्वस्थ होगा तो हम उपवास, सामायिक, स्वाध्याय, ध्यान और अन्य आध्यात्मिक साधनाएँ सहजता से कर पाएँगे। यही समय है धर्म साधना करने का, क्योंकि जीवन अनमोल और क्षणभंगुर है।ङ्गसाध्वी धैर्याश्री ने कहा कि जैन धर्म का मूल सार संयम, त्याग और आत्मसंयम है। हमें जीवन में सीमित संसाधनों का उपयोग करना चाहिए और इन्द्रियों को वश में रखकर ही सच्चे सुख का अनुभव हो सकता है। आज की भौतिकवादी दुनिया में जहाँ उपभोगवाद बढ़ रहा है, वहीं जैन धर्म हमें सादगी और संतोष का संदेश देता है। ऑल इंडिया जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रान्त महिला शाखा की ओर से विल्सनगार्डन संघ के तत्वावधान में धार्मिक भजन अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, विजेताओं को सम्मानित किया गया। सभा में संघ चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली के साथ ही जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की चेयरमैन रसीला मरलेचा, अध्यक्ष संतोष आच्छा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। मंत्री सज्जन बोहरा ने आभार व्यक्त किया।

'मातृछाया' जैन महिला संगठन द्वारा क्षमापना एवं तप अनुमोदना कार्यक्रम संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन महिला संगठन 'मातृछाया' द्वारा वीवी पुरम स्थित अरिहंत कॉलेज के सभागार में क्षमापना एवं तप अनुमोदना कार्यक्रम आयोजित किया गया। मातृछाया की प्रेमा गांधी, ललिता नागोरी, रेशमा बड़ोला, निर्मला दांतेवाड़िया, पुष्पा सोनीगरा, पिंकी दांतेवाड़िया, कांता समदड़िया, त्रिशला कोठारी एवं रतनीबाई मेहता ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने कहा कि क्षमापना केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मा की निर्मलता का उत्सव है। क्षमा माँगना और क्षमा देना दोनों ही आत्मा को शांति और सच्चे सुख की ओर अग्रसर करते हैं। पूर्व अध्यक्ष निर्मला दांतेवाडिया ने कहा कि तपस्या आत्मशुद्धि का महामार्ग है। कार्यक्रम में मिच्छामि दुक्कड़म विषय पर भावनात्मक नाटिका प्रस्तुत की गई।

इस अवसर पर मासक्षमण के 22 तपस्वियों सहित अन्य तपस्वियों का पाद प्रक्षालन कर तिलक लगाकर, माला पहनाकर, श्रीफल प्रदान कर सम्मान किया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि क्षमापना आत्मा का श्रृंगार है। जो क्षमा करता है, वह स्वयं भी मुक्त होता है और दूसरों को भी मुक्ति का मार्ग दिखाता है। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने उपस्थित सदस्याओं से क्षमायाचना की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए नीलम ललवानी ने कहा कि तपस्या आत्मा की ऊर्जा को जागृत करने का माध्यम है। सचिव रेशमा बड़ोला ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर त्रिशला दांतेवाड़िया, मीना सोनीगरा, पुष्पा नागोरी, रतनीबाई मेहता, पुष्पा सोनीगरा सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

धर्मस्थल मामला : एसआईटी के सामने पेश हुए छह व्यक्ति

मंगलूरु। धर्मस्थल में कई बलात्कार, हत्याओं और दफनाने के कथित मामले की जांच कर रहे विशेष जांच टीम के समक्ष मंगलवार को केरल के तीन यूट्यूबर समेत कुल छह व्यक्ति पूछताछ के लिए पेश हुए।

विशेष जांच दल के सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को जिन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था उनमें केरल में यूट्यूब चैनल संचालित करने वाले मनफ, अभिषेक और जयंत टी. के साथ-साथ कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता गिरीश मट्टणवार, विट्ठल गौड़ा और प्रदीप शामिल थे।

सिंगापुर जैन मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल हुए कर्नाटक के श्रद्धालु

अरसीकेरे/दक्षिण भारत। सिंगापुर कुआलालंपुर में जैन मंदिर में गुजराती एसोसिएशन के तत्वावधान में परमात्मा श्री सीमंधरस्वामी एवं गणधर श्री गौतमस्वामी के प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रदेश के जैन मित्र फाउंडेशन एवं जैन दोस्ती फेडरेशन द्वारा आयोजित मलेशिया सिंगापुर एवं थाईलैंड यात्रा के यात्रीगण इस प्रतिष्ठा महोत्सव के पहले दिन वरघोड़ा में शामिल हुए। जैन विधिकारक मनोज हरण द्वारा गौतमस्वामी महापूजन संपन्न कराया गया। शाम को सिद्धेश्वर गुरुदेव के सान्निध्य में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के संस्थापक ट्रस्टी व अध्यक्ष अशोककुमार सुराणा, दक्षिण शांतिसूरि धाम के महामंत्री विजयकुमार सुराणा, जैन मित्र व जैन दोस्ती फेडरेशन के अध्यक्ष मितेश सुराणा एवं मंत्री महेंद्र कटारिया आदि ने विशिष्ट सहयोगी विनयकुमार, धीरजकुमार बच्छावत परिवार का सम्मान किया।

धर्म-ध्यान ही कलयुग में कल्याण का माध्यम : संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने कहा कि महापुरुषों की कथा सुनने और कीर्तन करने से इस युग में मनुष्य का कल्याण संभव है। महापुरुषों के जीवन चरित्र को सुनने से जीवन अच्छे मार्ग पर पहुंच जाता है। कथा और कीर्तन सुनने से भी मानव भव का कल्याण संभव है। साधु, संत, महापुरुषों की वाणी को मानव तक पहुंचाने का काम करते है। उसको सुनने के लिए जरूर समय निकलना चाहिए। धर्म-ध्यान करने में अगर देर करोगे तो इस कलयुग से पार नहीं हो पाओगे। वर्तमान में मनुष्य मशीन पर आधारित है। हर काम मशीन ही करता है। शरीर को

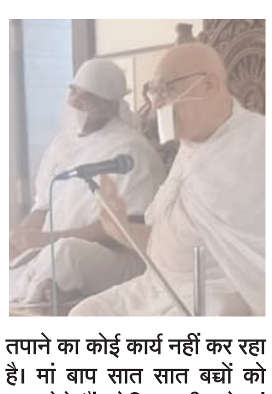

तपाने का कोई कार्य नहीं कर रहा है। मां बाप सात सात बच्चों को पाल देते हैं। लेकिन वही बच्चे मां बाप को नहीं खिला पाते है। उनको दर दर भटकने के लिए भी छोड़ दिया जाता है। यही कलयुग है। संतश्री ने कहा कि कलयुग में मनुष्य हर काम गलत ही कर रहा है। लोग रिश्वत लेते हैं लेकिन फिर भी उनका पेट नहीं भरता है। लालच बहुत बुरी होती है। न्याय का धन सुकून देता हैं लेकिन अन्याय का धन बीमारी और लड़ाई लाता है। मेहनत की कमाई हमेशा बढ़ती है। न्याय से कमाने वाले का हर जगह सम्मान होता है। ऐसे लोग हमेशा खुश रहते हैं। गलत मार्ग से कितना भी कमा लो सब गलत मार्ग पर ही चला जाएगा। इसलिए ऐसा करके पाप की गठरी नहीं बांधनी चाहिए। कम कमाओ लेकिन सही मार्ग से ही कमाओ। सही मार्ग का पैसा शांति देता है। शांति मिली तो सब कुछ मिल जाएगा। सभा में कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मुथा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

पावरग्रिड
POWERGRID

विज्ञापन सं.: प्रशिक्षुता/2025-26/01

प्रशिक्षुता अधिनियम, 1961 के अधीन प्रशिक्षुओं की नियुक्ति

पावरग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक महारत्न उद्यम, द्वारा प्रशिक्षुता अधिनियम, 1961 के प्रावधानों और बाद के संशोधनों के अधीन **एक वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षुता** हेतु पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। विस्तृत विज्ञापन/अधिसूचना कंपनी की वेबसाइट **www.powergrid.in** में करियर खंड में उपलब्ध है।

आवेदन कैसे करें:

चरण 1:-
अपेक्षित योग्यता रखने वाले इच्छुक अभ्यर्थियों को सबसे पहले स्वयं को वेबसाइट **https://apprenticeshipindia.gov.in** अथवा **https://nats.education.gov.in/** पर, जो भी मान्य है, में पंजीकृत करना होगा।

चरण 2:-
ऊपर वर्णित पोर्टल में पंजीकरण के बाद, इच्छुक पात्र अभ्यर्थी पावरग्रिड वेबसाइट **www.powergrid.in** के करियर खंड में प्रशिक्षुओं की नियुक्ति हेतु दिए गए विवरण के अनुरूप ऑनलाइन आवेदन-पत्र प्रस्तुत करेंगे।
- राज्य-वार और ट्रेड-वार प्रशिक्षण स्लॉट्स के संबंध में पावरग्रिड के क्षेत्रों / स्थापनाओं द्वारा जारी विस्तृत विज्ञापन देखें।
- राज्य और ट्रेड के विकल्प के आधार पर अपेक्षित दस्तावेजों के साथ आवेदन-पत्र प्रस्तुत करें।

महत्वपूर्ण:
जिन अभ्यर्थियों ने एनएपीएस/एनएटीएस प्रशिक्षुता पोर्टल में आवेदन किया है उन्हें अपना आवेदन-पत्र ऊपर वर्णित पावरग्रिड वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन प्रस्तुत करना अपेक्षित है। केवल पावरग्रिड वेबसाइट पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों को स्वीकार किया जाएगा और नियुक्ति हेतु विचार किया जाएगा।

आवेदन खुलने की तिथि	15.09.2025
आवेदन बंद होने की तिथि	06.10.2025

कृपया नोट कर लें कि पावरग्रिड में प्रशिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि पूरी होने के बाद, प्रशिक्षु का संगठन में किसी भी रोजगार हेतु, कोई दावा नहीं होगा।

आवेदन हेतु क्यूआर कोड स्कैन करें

SR-II/PR-04/Apprectt/2025-26/RKSwamy

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
पंजीकृत कार्या: बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
क्षेत्रीय कार्यालय: क्षेत्रीय मुख्यालय, सिंगनायकनहल्ली, येलहंका होबली, बेंगलुरु-560064
वेबसाईट: **www.powergrid.in** सीआईएन: **L40101DL 1989GOI038121**
एक महारत्न पीएसयू

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com